INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-264 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, बुधवार, 18 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

156 साल में पहली बार दोगुनी होगी मथुरा जेल की बंदी क्षमता

वर्ष 1870 में बनी जेल की तब बंदी क्षमता थी 554

अब बंदी क्षमता 1100 किए जाने का प्रस्ताव जेल प्रशासन ने शासन को भेजा

यूनिक समय, मथुरा। समय बदला, आबादी बढ़ी और मथुरा का दायरा भी लगातार विस्तार लेता गया, लेकिन ब्रिटिश शासनकाल में बनी जिला जेल की बंदी क्षमता में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो सकी। अब करीब 156 साल बाद मथुरा जिला जेल की क्षमता लगभग दोगुनी होने जा रही है। जेल प्रशासन ने वर्तमान क्षमता 554 से बढ़ाकर 1100 किए जाने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है। शासन की मंजूरी मिलते ही जेल में बंदियों के रहने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होगा। मथुरा जिला कारागार का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में वर्ष 1870 में कराया गया था। उस समय जिले की आबादी को ध्यान में रखते हुए जेल की बंदी क्षमता निर्धारित की गई थी।

ब्रिटिश शासनकाल में वर्ष 1872 में कराई गई जनगणना के अनुसार तब मथुरा जिले की आबादी करीब आठ लाख थी। डेढ़ शताब्दी से अधिक समय गुजरने के बाद जिले की आबादी चार गुना से भी अधिक हो चुकी है। वर्तमान में जिले की आबादी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 32 लाख से अधिक है।



पहले बढ़ाई गई थी बंदी क्षमता

ब्रिटिश शासन काल के बाद करीब दो दशक पूर्व बंदियों की क्षमता को 554 से बढ़ाकर करीब 900 किया गया था। 156 वर्ष में ये पहली बार है कि बंदियों की क्षमता को दो गुना किया जाएगा। इसके लिए जेल प्रशासन द्वारा कई नई बैरकों का निर्माण भी कराया गया है।

जेल में बढ़ाई जा रही बैरक क्षमता

बंदियों की क्षमता दोगुनी किए जाने का प्रस्ताव तैयार करने से पूर्व जेल में बैरकों की क्षमता बढ़ाई गई। बात वर्तमान की करें तो जेल में 24 बैरक हैं। इसके अलावा चार नई बैरकों का निर्माण चल रहा है। बैरकों की क्षमता अलग अलग है किसी में 30 तो किसी में 60 बंदियों के रहने की क्षमता है।

जेल स्टाफ के नियतन में भी होगा इजाफा

जेल की सुरक्षा में कितने सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे इसका निर्धारण बंदी क्षमता के अनुरूप किया जाता है। जेल में बंदी क्षमता 1100 हो जाने के बाद सुरक्षाकर्मियों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है।

1200 से अधिक बंदी हैं जेल में निरुद्ध

जिला कारागार में बंदियों की संख्या सीमित नहीं रहती। कोविड काल के दौरान जिला कारागार में बंदियों की संख्या क्षमता से दो गुना तक हो गई थी। वर्तमान की बात करें तो 16 नवंबर 2026 को जेल में बंदियों की संख्या 1262 थी।

> जिला कारागार में बंदियों की क्षमता 1100 किए जाने का प्रस्ताव शासन को मंजूरी के लिए भेजा गया है। वर्तमान में जेल में 24 बैरक बनी हैं। चार नई बैरकों का निर्माण कार्य चल रहा है। जेल का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल के वर्ष 1870 में किया गया था।
>
> **-अंशुमन गर्ग, जेल अधीक्षक।**

मथुरा में बुधवार को संग-संग चले जाम और परिक्रमा



बुधवार को भूतेश्वर अखाड़ा से होकर परिक्रमा करते श्रद्धालु।

श्रद्धालुओं के सैलाब के आगे बेअसर हुए इंतजाम, रस्सों के ऊपर-नीचे होते रहे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय नवमी पर बुधवार को मथुरा और वृंदावन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। अक्षय नवमी की परिक्रमा के साथ श्रद्धालुओं ने तीन वन की परिक्रमा भी लगाई। भारी भीड़ के चलते दोनों शहरों की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। परिक्रमा मार्गों से लेकर प्रमुख सड़कों तक जाम के हालात बने रहे। बेहतर यातायात संचालन के दावे करने वाले जिम्मेदारों की व्यवस्थाएं भीड़ के आगे बेबस नजर आईं। दोनों शहरों में दिनभर परिक्रमा और जाम साथ-साथ चलते रहे।

मथुरा में श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने के लिए परिक्रमा मार्ग में सड़क से पहले रस्से लगाए गए थे, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ ये इंतजाम भी बेअसर साबित हुए। भीड़ का दबाव बढ़ा तो रस्सों के ऊपर-नीचे से श्रद्धालुओं का रेला निकलता रहा। पुलिसकर्मी भीड़ को रोकने का प्रयास करते रहे, लेकिन श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के आगे उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी। जब पुलिसकर्मी सतर्क हुए तो श्रद्धालुओं के कदम थमे, लेकिन उनकी जरा सी ढिलाई पर भीड़ फिर आगे बढ़ने लगी।

परिक्रमा मार्गों पर भीड़ नियंत्रित करने में पुलिस की मशक्कत के बीच यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती रही। सबसे गंभीर स्थिति यह रही कि परिक्रमा के दौरान भी बड़े वाहनों का संचालन होता रहा। इससे श्रद्धालुओं की आवाजाही और वाहनों के आवागमन में टकराव की स्थिति बनी। जगह-जगह वाहनों की कतारें लगती रहीं। यातायात को सुचारु रखने के दावों के बीच बड़े वाहनों का संचालन और भीड़ नियंत्रण में नाकामी ने व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए। श्रद्धालुओं की आस्था के आगे प्रशासनिक इंतजाम कमजोर नजर आए।



वाहनों के बीच श्रद्धालु या श्रद्धालुओं के बीच वाहन: बुधवार को अक्षय नवमी पर लगी परिक्रमा में यातायात व्यवस्था फेल हुई तो जाम लगता रहा। भूतेश्वर मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन और श्रद्धालु।



आस्था का सैलाब: बुधवार को श्रद्धालुओं ने मथुरा में अक्षय नवमीं पर परिक्रमा लगाई तो भूतेश्वर बगीची की गली में कुछ ऐसा दिखा श्रद्धा का भाव। राधे- राधे के साथ परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

भाजपा की प्रदेश योजना बैठक में संगठन का चिंतन, बाहर टिकट की गणित

गौ ग्राम परखम में सीएम और बड़े नेताओं के स्वागत को आतुर दिखे दावेदार

गोटियां बिठाने में जुटे रहे टिकट के आकांक्षी



यूनिक समय, मथुरा। भाजपा की राजनीति में संगठन, विचार और कार्यकर्ता के चरित्र को प्राथमिकता देने की बात होती है, लेकिन जमीनी तस्वीर में टिकट की चाह और राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी साफ दिखाई देती हैं। फरह क्षेत्र के गौ ग्राम परखम स्थित पं. दीनदयाल कामधेनु गौशाला परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रदेश योजना बैठक के दौरान कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। बैठक के भीतर संगठन की आगामी योजनाओं और विचारधारा पर मंथन चल रहा था, वहीं बाहर टिकट के दावेदार अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कवायद में जुटे दिखाई दिए।

मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आगमन पर स्वागत को लेकर भी नेताओं में खास उत्साह नजर आया। कोई स्वागत के बहाने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में जुटा था तो कोई वरिष्ठ पदाधिकारियों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहा था। समापन हुए दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, संगठन से जुड़े लोगों और समाजसेवियों की आवाजाही बनी रही।

चर्चा का विषय यह भी रहा कि कुछ लोग संगठनात्मक कार्यक्रम को अपनी राजनीतिक पहचान चमकाने के अवसर के रूप में देख रहे थे। धन-कुबेरों से लेकर ठेकेदारों, विभिन्न कारोबारियों और अस्पताल संचालकों तक की मौजूदगी के बीच टिकट की दावेदारी को लेकर चर्चाएं होती रहीं। चंद मीडिया से जुड़े लोगों के अलावा अन्य कुछ लोग चर्चित चेहरों तक पहुंच बनाने और प्रदेश अध्यक्ष सहित संगठन के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की कोशिश में लगे रहे। दरअसल, भाजपा की राजनीति में संगठन के प्रति निष्ठा, विचारधारा और कार्यकर्ता का आचरण महत्वपूर्ण माने जाते हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा और व्यक्तिगत प्रभाव की दौड़ में संगठन के मूल विचार कितने पीछे छूट रहे हैं। गौ ग्राम परखम की बैठक ने एक ओर संगठनात्मक चिंतन का संदेश दिया तो दूसरी ओर टिकट की राजनीति के कई रंग भी सामने रख दिए।



अक्षय नवमी पर परिक्रमार्थियों की सेवा में जुटी मित्र मंडली



अक्षय नवमी पर श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटते समाजसेवी।

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय नवमी पर महाविद्या कॉलोनी स्थित जगन्नाथ आश्रम के समीप मित्र मंडली ने परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए छठवीं बार प्रसाद वितरण किया। सुबह से शुरू हुआ सेवा का क्रम दिनभर जारी रहा। दूर-दराज से आए परिक्रमार्थियों को पोहा, चाय, कचौड़ी, बेड़ई और मिष्ठान वितरित किए गए। दोपहर में पूड़ी-सब्जी के साथ पानी के पाउच भी बांटे गए।

आश्रम संचालक गोपाला चतुर्वेदी ने बताया कि अक्षय नवमी पर परिक्रमार्थियों की सेवा की जाती है। मित्र मंडली के सहयोग से यह आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर पार्षद राकेश भाटिया, श्याम ठाकुर, विक्रांत पंडित, मिंटू शर्मा, नट्टू पंडित, मृदुलकांत चतुर्वेदी, प्रेमशंकर सारस्वत, संजय बंसल, बॉबी शर्मा, प्रीतम ठाकुर, मनीष चौहान, मोहन सांझी आर्ट और अमर सिंह ठाकुर सहित अन्य लोग सेवा में जुटे रहे।

वृंदावन में तीन दिन गूंजेगा बाबा श्याम का जयकारा

यूनिक समय, वृंदावन। बांकेबिहारी क्षेत्र स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में 19 से 21 नवंबर तक बाबा श्याम का पंचम वार्षिक महोत्सव-जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तीन दिवसीय आयोजन में निशान यात्रा, भजन संध्या और अन्नकूट महाप्रसाद के कार्यक्रम होंगे।

आयोजकों ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 19 नवंबर को शाम 5:30 बजे भव्य निशान यात्रा के साथ होगा। इसमें श्याम भक्त 111 ध्वजाएं हाथों में लेकर नगर भ्रमण करेंगे और मंदिर पहुंचकर बाबा के चरणों में निशान अर्पित करेंगे। यात्रा का विशेष आकर्षण चार वर्षीय बालिका होगी, जो मां काली का स्वरूप धारण कर शोभायात्रा में शामिल होगी। महोत्सव के दूसरे दिन 20 नवंबर को कार्तिक शुक्ल एकादशी पर मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या आयोजित होगी। वहीं, 21 नवंबर को विशाल अन्नकूट महाप्रसाद के साथ तीन दिवसीय महोत्सव का समापन होगा। आयोजक मंडल ने धर्मप्रेमियों और श्याम भक्तों से कार्यक्रमों में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। इस अवसर पर मंदिर सेवायत राजेश पारीक, सहर्ष पारीक, राहुल बृजवासी, आकाश सैनी, दिव्यांशु गोयल, अनुज कौशिक, तमेश वैष्णव, कृष्णा शर्मा, पीयूष अग्रवाल, मनीष सैनी, चेतन वर्मा, मुकुट सैनी और जीतू सैनी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर महुवन टोल पर हुए विशेष इंतजाम

वीआईपी मूवमेंट के लिए बनाई अलग लेन, 24 घंटे मुस्तैद रहा एलए



वीआईपी मूवमेंट के दौरान मुख्यमंत्री के काफिले को निकालने के लिए मुस्तैद एलए।

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री के गौ ग्राम पारखम में हुए आगमन को लेकर महुवन टोल प्लाजा पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। वीआईपी मूवमेंट के मद्देनजर टोल प्लाजा पर अलग लेन निर्धारित की गई, ताकि मुख्यमंत्री का काफिला बिना किसी बाधा के गुजर सके और आम वाहन चालकों को परेशानी न हो।

क्यूब हाईवे के मैनेजर ओकिल शर्मा ने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ व्यवस्थाओं की कमान संभाली। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के काफिले में कई वाहन शामिल होने के चलते टोल प्लाजा पर विशेष सतर्कता बरती गई। वीआईपी लेन को पूरी तरह खाली रखा गया। इसके साथ ही सामान्य वाहनों का आवागमन सुचारु बनाए रखने के लिए कर्मचारियों की अलग-अलग स्थानों पर ड्यूटी लगाई गई। वीआईपी मूवमेंट के दौरान एलए की टीम 24 घंटे मुस्तैद रही।



बीएसए का डीएम के आदेश को ठेंगा, नहीं दिया रिकॉर्ड

डीएम के अनुमोदन पर हो रही जांच में शिक्षा अधिकारी का जलवा

प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्त करने में जमकर नियमों की उड़ी धज्जियां

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्त करने में नियमों और कायदों की धज्जियां उड़ाने वाली बीएसए का अब एक और जलवा सामने आया है। डीएम के निर्देश पर हो रही प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकरण की जांच में बीएसए ने आज तक समिति को रिकॉर्ड ही नहीं दिया है। अब समिति चयन में हुई मनमानी से नाराज शिक्षकों और अन्य स्तर से मिले अभिलेखों के सहारे जांच में आगे बढ़ रही है। बीएसए को भी मामले से जुड़े अभिलेख उपलब्ध कराने को अंतिम समय दिया गया है।

हाईकोर्ट के आदेश और शासन के निर्देश पर बेसिक के प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्ति करने में बीएसए रतन कीर्ति ने जमकर मनमानी की। चहेते और रिश्तेदारों के अलावा शिक्षक संगठनों के बड़े पदाधिकारियों के सहारे जमकर मनमानी की। सूची जारी होने के बाद डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता के पास शिकायतें पहुंची तो अधिकारियों के कान खड़े हुए। डीएम के अनुमोदन पर सीडीओ ने प्रकरण की जांच कराने को परियोजना निदेशक एके उपाध्याय की अध्यक्षता में समिति बना दी, बीएसए को चयन से संबंधित अभिलेख उपलब्ध कराने को कहा। अब 15 दिन बीतने के बाद बीएसए ने जांच समिति को रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया है, जिससे जांच ठहरी हुई थी।

जांच समिति के एक अधिकारी ने बताया कि कल तक बीएसए ने रिकॉर्ड दिया तो ठीक, वर्ना जांच शिक्षकों से मिली शिकायतों के आधार पर करके दी जाएगी।

प्रार्थना पत्र को किया नजरअंदाज

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन प्रथम स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक की तैनाती को लेकर विवाद सामने आया है। विद्यालय की शिक्षिका सीमा रानी ने बीएसए को प्रार्थना पत्र देकर वरिष्ठता के आधार पर उन्हें प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाने की मांग की है। शिक्षिका ने बताया कि वह एक अप्रैल 2021 से प्रभारी प्रधानाध्यापक का दायित्व निभा रही हैं। इसके बावजूद 10 सितंबर 2026 को दूसरे शिक्षक सत्यभानु की तैनाती कर दी गई।

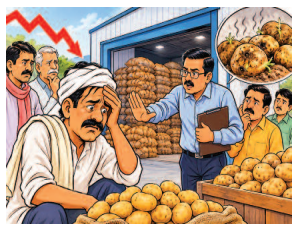
मानक से अधिक शिक्षक, रिश्तेदार उपकृत

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी प्रधानाध्यापक मामले में एक और कमाल सामने आया है। बीएसए की चतुराई से नीमगांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक संख्या मानक से अधिक हो गई। ऐसा उच्च प्राथमिक विद्यालय जानू में तैनात शिक्षक मधुसूदन को नीमगांव भेजने से हुआ। वहीं, विभागीय सूत्रों का कहना है कि बीएसए ने पद का लाभ उठाते हुए अपने दूर के रिश्तेदार सत्यभानु सिंह को नियमों की बलि देकर उच्च प्राथमिक विद्यालय गोवर्धन प्रथम में प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्त कर दिया। यह शिक्षक उच्च प्राथमिक विद्यालय मलसराय में तैनात थे। विभागीय जानकारों का कहना है कि डीएम की रोक के बाद भी प्रभारी प्रधानाध्यापकों को नए पद पर ज्वाइनिंग भी करा दी गई।

इस बार कोल्ड स्टोरों में सड़ सकता है आलू राजा

यूनिक समय, मथुरा। बाजार में आलू के भाव गिरने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोल्ड स्टोरों में रखा आलू बेचने के बजाय किसान बेहतर भाव मिलने की उम्मीद में निकासी नहीं कर रहे हैं। जनपद के कोल्ड स्टोरों में अब भी 8751.05 मीट्रिक टन (करीब 87.51 लाख किलोग्राम) आलू भंडारित है। इससे इस बार बड़ी मात्रा में आलू खराब होने की आशंका भी जताई जा रही है।

जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों को 30 नवंबर तक कोल्ड स्टोरों से आलू निकालने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद नए आलू के भंडारण की तैयारी के लिए कोल्ड स्टोरों की सफाई और अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। विभाग की ओर



से स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय-सीमा तक किसानों को अपना पुराना आलू निकालना होगा।

जनपद में कुल 50 कोल्ड स्टोर हैं। इनकी भंडारण क्षमता 4,49,701.904 मीट्रिक टन है। इस वर्ष किसानों ने इनमें करीब 3,91,240.656 मीट्रिक टन आलू का भंडारण कराया था। नए आलू के भंडारण से पहले पुराने आलू की निकासी और कोल्ड स्टोरों की साफ-

किसानों का 8751 मीट्रिक टन आलू कोल्ड स्टोरों में है डंप

बाजार में भाव गिरने से निकासी नहीं कर रहे किसान

सफाई की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जिला उद्यान अधिकारी की ओर से निर्देश जारी होने के बाद भी करीब 8751.05 मीट्रिक टन आलू कोल्ड स्टोरों में जमा है। बाजार में आलू के भाव कम होने के कारण किसान इसे निकालकर बेचने से बच रहे हैं। किसानों को आशंका है कि बाजार में कम कीमत मिलने के साथ कोल्ड स्टोर का किराया भी चुकाना पड़ेगा। ऐसे में आलू निकालने पर उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा। हालांकि, लंबे समय तक भंडारित आलू के खराब होने का खतरा भी बढ़ रहा है। यदि समय रहते निकासी नहीं हुई तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। नए आलू के भंडारण का समय नजदीक आने के कारण कोल्ड स्टोर संचालकों के सामने भी पुराने आलू की निकासी और सफाई की चुनौती खड़ी हो गई है। वहीं, हाइब्रिड आलू होने की वजह से स्थानीय खरीददार इससे दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में जमा आलू के सड़ने की आशंका है।



महिला अस्पताल में डॉक्टर गायब, नौनिहाल बेहाल

कई सप्ताह से नियमित नहीं हो रही ओपीडी, बच्चों के इलाज के लिए निजी अस्पतालों की दौड़ लगाने को मजबूर अभिभावक

यूनिक समय, मथुरा। जिला महिला अस्पताल में बच्चों के उपचार की व्यवस्था बदहाल नजर आ रही है। बाल रोग विशेषज्ञ की नियमित उपलब्धता नहीं होने से अपने नौनिहालों का इलाज कराने पहुंच रहे अभिभावकों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। कई सप्ताह से ओपीडी नियमित नहीं चलने के कारण तीमारदारों को कभी जिला अस्पताल तो कभी निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती होने के बावजूद उनकी नियमित उपस्थिति नहीं हो रही है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर सप्ताह में महज एक या दो दिन ही ओपीडी में पहुंच रहे हैं। बाकी दिनों में उनका कक्ष खाली पड़ा रहता है। ऐसे में रोजाना बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचने वाले अभिभावकों को उपचार के लिए भटकना पड़ता है।

सबसे ज्यादा परेशानी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को उठानी पड़ रही है। निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना उनके लिए आसान नहीं है। बुखार, सर्दी, खांसी सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित बच्चों को समय पर



जिला महिला अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ की खाली पड़ी कुर्सी।

चिकित्सकीय परामर्श नहीं मिल पा रहा है। सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की खाली कुर्सी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर सवाल खड़े कर रही है।

बच्चे को दिखाने पहुंचे राम सिंह ने बताया कि महिला अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ की नियमित उपस्थिति होनी चाहिए, ताकि मरीजों को अनावश्यक भटकना न पड़े। सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पूर्वानी ने बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों की कमी के चलते व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। बाल रोग विशेषज्ञ की कमी के संबंध में शासन को भी अवगत कराया जा चुका है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर अर्टिगा चालक ने छोटे हाथी में पीछे से मारी टक्कर

टक्कर के बाद सड़क किनारे पलटा छोटा हाथी, चालक घायल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नौहझील थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 64 पर आगरा से नोएडा की ओर जा रहे एक छोटे हाथी वाहन को पीछे से आ रही अर्टिगा कार चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छोटा हाथी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसमें सवार चार अन्य लोगों को भी हल्की चोटें आई हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को दोपहर करीब 2:30 बजे हाईवे की रोमियो टीम के माध्यम से पुलिस को हादसे की सूचना मिली। सूचना पर बाजना कट चौकी प्रभारी पवन कुमार



हादसे में घायल छोटा हाथी का चालक रिंकू।

चौहान और कांस्टेबल गौरव कुमार मोबाइल पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। बताया गया कि छोटा हाथी वाहन को पीछे से आ रही अर्टिगा कार के चालक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में छोटा हाथी चालक रिंकू निवासी नरेला, दिल्ली के दाहिने हाथ में गंभीर चोट आई। पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भिजवाया। वहीं कार में सवार 35 वर्षीय रजनी, 17 वर्षीय यमुना, 6 वर्षीय योग और 5 वर्षीय मन्नू घायल हो गए।

मोबाइल की लोकेशन पर औरंगाबाद पहुंची एसओजी तीन युवकों को उठाया

यूनिक समय, मथुरा। बुलंदशहर में हुई एक संगीन वारदात के दौरान लूटे गए कीमती मोबाइल की लोकेशन औरंगाबाद के मेवाती मोहल्ले में मिलने पर एसओजी की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान टीम ने एक युवक को कथित तौर पर मोबाइल के साथ पकड़ लिया। सादे कपड़ों में पहुंचे एसओजी कर्मियों की पहचान नहीं होने पर स्थानीय युवकों से कहासुनी और झड़प हो गई। बाद में पहुंची पुलिस युवक समेत तीन लोगों को अपने साथ ले गई।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर में हुई वारदात के दौरान अपराधी एक कीमती मोबाइल भी लूट ले गए थे। पुलिस मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर रही थी। इसी क्रम में उसकी लोकेशन औरंगाबाद के मेवाती मोहल्ले में मिली। इसके बाद एसओजी की टीम ने रात में दबिश दी और एक माली के बेटे को कथित तौर पर मोबाइल के साथ पकड़ लिया।

टीम के सदस्य सादे कपड़ों में थे। ऐसे में मौके पर मौजूद कुछ युवकों को उनकी

बुलंदशहर की संगीन वारदात में लूटे गए मोबाइल की तलाश में मेवाती मोहल्ल में छापेमारी सादे कपड़ों में पहुंचे टीम के सदस्यों से हुई झड़प

पहचान नहीं हो सकी और विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी झड़प में बदल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मोबाइल के साथ पकड़े गए युवक सहित तीन लोगों को अपने साथ ले गई।

कार्रवाई के दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में दिनभर चर्चाएं होती रहीं। हालांकि, इस संबंध में थाना सदर बाजार के प्रभारी निरीक्षक ने जानकारी होने से इनकार किया। फिलहाल युवकों को हिरासत में लिए जाने और मोबाइल बरामदगी को लेकर स्थानीय पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरीफंटा के लिए अब शाम को भी मिलेगी बस सेवा

यूनिक समय, मथुरा। गौरीफंटा जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अब मथुरा से इस रूट पर शाम को भी बस सेवा उपलब्ध होगी। गुरुवार शाम से 52 सीटर सामान्य श्रेणी की बस का नियमित संचालन शुरू किया जा रहा है। अभी तक मथुरा से गौरीफंटा के लिए सुबह के समय केवल एक बस संचालित होती थी। इसके चलते शाम को यात्रा करने वाले यात्रियों को

52 सीटर बस का होगा नियमित संचालन, यात्रियों को नहीं करना पड़ेगा सुबह तक इंतजार

परेशानी उठानी पड़ती थी। बस उपलब्ध नहीं होने पर यात्रियों को दूसरे साधनों का सहारा लेना पड़ता था। अब शाम की अतिरिक्त बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और सुबह की बस पर निर्भरता भी कम होगी।

हाईवे पुलिस ने युवक से बरामद किए चार जिंदा कारतूस

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, नगला बोहरे की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के समीप चेकिंग के दौरान हरेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 9 एमएम के दो और 315 बोर के दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई में जुटी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



अक्षय नवमी पर भक्ति के रंग में रंगी कान्हा की नगरी

जयकारों के बीच उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

कोई पहली बार तो कोई वर्षों से निभा रहा परिक्रमा की परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय नवमी पर बुधवार को कान्हा की नगरी आस्था और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आई। मथुरा-वृंदावन की गलियों से लेकर परिक्रमा मार्ग तक राधे-कृष्ण के जयकारे गूंजते रहे। हजारों श्रद्धालुओं ने ब्रजभूमि की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कोई नंगे पैर तो कोई हाथों में माला और जुबां पर ठाकुरजी का नाम लेकर परिक्रमा करता नजर आया। श्रद्धालुओं का उत्साह ऐसा था कि घंटों पैदल चलने के बाद भी उनके कदम नहीं थमे।

परिक्रमा में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ भोपाल सहित देश के विभिन्न प्रांतों से आए भक्त भी शामिल हुए। भोपाल की कंचन ठाकुर पहली बार ब्रज परिक्रमा करने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि यहां आकर बेहद आनंद मिल रहा है। भक्ति में ऐसी लीन हुई हैं कि समय का अहसास ही नहीं हो रहा। रिचा अग्रवाल ने कहा कि घर-परिवार के कामकाज में भगवान का स्मरण करने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। परिक्रमा के बहाने कई घंटे प्रभु का नाम लेने का अवसर मिला, जिससे मन को शांति मिली है।

कई वर्षों से परिक्रमा की परंपरा निभा रहीं ब्रजलता ने बताया कि उन्हें अक्षय नवमी का बेसब्री से इंतजार रहता है। यह परिक्रमा उनके लिए कान्हा के प्रति प्रेम और आस्था प्रकट करने का अवसर है। पहली बार परिक्रमा कर रहीं भूमि ने कहा कि भक्ति के माहौल में उन्हें कहीं भी पहली बार आने जैसा महसूस नहीं हुआ। वहीं अनीता ने कहा कि सब कुछ कान्हा की इच्छा से होता है। उनकी कृपा हो तो भक्त के कदम अपने आप ब्रज की ओर बढ़ जाते हैं।

प्रियंका ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से हजारों श्रद्धालुओं का पहुंचना ब्रज की महिमा को दर्शाता है। पहली बार परिक्रमा कर रहीं रेखा ने बताया कि उन्हें समय बीतने का अहसास ही नहीं हुआ। अब हर वर्ष परिक्रमा में शामिल होने का संकल्प लिया है। जागृति ने भी ब्रजभूमि में उमड़े श्रद्धा के सैलाब को कान्हा के प्रति भक्तों की अटूट आस्था का प्रतीक बताया। किसी की पहली परिक्रमा थी तो किसी की वर्षों पुरानी परंपरा, लेकिन सभी के मन में एक ही भाव था, राधे-राधे और श्रीकृष्ण के चरणों में समर्पण।



बुधवार को अंबाखार क्वालिटी चौराहे की तरफ आते परिक्रमार्थी ।



राधे- राधे: बुधवार को अक्षय नवमी पर परिक्रमा लगाने आई श्रद्धालु महिलाएं इस भाव में दिखीं।



परिक्रमा लगाकर रंगेश्वर मंदिर से बाहर आते श्रद्धालु।

परिक्रमार्थियों का उत्साह



कंचन ठाकुर, ऋचा अग्रवाल, बृजलता, रूमी, अनीता, प्रियंका, रेखा, जाग्रति

परिक्रमार्थियों पर बरसा सेवा और सत्कार का प्रेम

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय नवमी के अवसर पर मथुरा की पंचकोसीय परिक्रमा करने पहुंचे श्रद्धालुओं का जगह-जगह आत्मीय स्वागत और अतिथि सत्कार किया गया। परिक्रमा मार्ग पर सेवा शिविरों के माध्यम से लोगों ने श्रद्धालुओं को जलपान, फल, पेयजल और प्रसाद वितरित किया। कहीं भोजन की व्यवस्था रही तो कहीं थके कदमों को विश्राम देने के लिए इंतजाम किए गए। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने सेवा भाव से परिक्रमार्थियों की मदद की। ब्रज की अतिथि देवो भवः की परंपरा एक बार फिर दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने भी सेवाभाव की सराहना करते हुए ब्रजवासियों का आभार जताया।



परिक्रमा के दौरान मस्ती के अंदाज में बच्चे।



चौरासी कोस परिक्रमा शुभारंभ पर जयकारे लगाते श्रद्धालु।

यमुना पूजन के साथ बृज चौरासी कोस यात्रा का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। बृज सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित श्री बृज चौरासी कोस यात्रा का शुभारंभ 16 नवंबर को स्वामी घाट पर यमुना महारानी के पूजन और आरती के साथ हुआ। यात्रा में देश के विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालु उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ शामिल हो रहे हैं।

मीडिया प्रभारी आशीष गर्ग ने बताया कि यात्रा से पूर्व 15 नवंबर को श्रद्धालुओं के स्वागत और परिचय समारोह का आयोजन किया गया। इसमें यात्रियों को यात्रा कार्यक्रम और व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। यात्रा

पहले दो दिनों में श्रद्धालुओं ने मधुवन, गोवर्धन, बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम सहित प्रमुख तीर्थों के किए दर्शन

के प्रथम दिन 16 नवंबर को श्रद्धालुओं ने मधुवन, तालवन, शांतनु कुंड, कुमुदवन, गोवर्धन और मुखराई के दर्शन किए। वहीं, दूसरे दिन 17 नवंबर को बद्रीनाथ धाम, केदारनाथ धाम, कामवन और डीग के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर दर्शन किए।

यात्रा के पुरोहित पं. केशव पंडा और पं. मोहित दुबे के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं को तीर्थस्थलों के धार्मिक एवं पौराणिक महत्व की जानकारी दी जा रही है। साथ ही विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी कराए जा रहे हैं। फाउंडेशन का उद्देश्य ब्रज की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का संरक्षण और प्रचार-प्रसार करना है। इसके लिए संस्था 'स्वच्छ बृज-पावन बृज' अभियान चला रही है। इसके तहत धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल, शौचालय सुविधा, पौधारोपण और जनसेवा कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है। संस्था का संकल्प ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त तीर्थ क्षेत्र बनाना है।

छप्पन भोग और भजन संध्या से महका श्रीकृष्ण कुब्जा मंदिर का वार्षिक उत्सव

अक्षय नवमी पर तड़के से उमड़े श्रद्धालु, हजारों भक्तों ने किए ठाकुरजी के दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय नवमी के पावन पर्व पर ठाकुर श्रीकृष्ण कुब्जा मंदिर का वार्षिक उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। वहीं भजन संध्या में भक्ति गीतों की मधुर धुनों ने मंदिर परिसर को कृष्णमय बना दिया।

वार्षिक उत्सव में तड़के से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की कतारें लग गईं। दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। हजारों भक्तों ने ठाकुर श्रीकृष्ण कुब्जा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर में ठाकुरजी के लिए आकर्षक ढंग से छप्पन भोग सजाया गया। विभिन्न प्रकार के पकवानों और व्यंजनों से सजे भोग के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। शाम को आयोजित भजन संध्या में भक्ति संगीत पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। इस अवसर पर सेवायत पं. आशीष चतुर्वेदी, युवांश चतुर्वेदी, अमित पुजारी, गौरव चतुर्वेदी, संजय यादव, पल्लू चतुर्वेदी, अंकुर और तरुण सहित



ठाकुर श्रीकृष्ण कुब्जा मंदिर के वार्षिक उत्सव पर छप्पन भोग के दर्शन करते श्रद्धालु।

यूके के प्रोफेसर का जीएलए में एआई आधारित समावेशी शिक्षा पर व्याख्यान

अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान जीएलए के कुलपति और सीएफओ से की मुलाकात

विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स से हुए रूबरू

यूनिक समय, मथुरा: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच शिक्षा को अधिक सुलभ, समान और समावेशी बनाना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसी दिशा में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संवाद को आगे बढ़ाते हुए यूनाइटेड किंगडम की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर और डॉक्यूमेंट एनालिसिस एंड एक्सेसिबिलिटी विशेषज्ञ प्रो. वोल्कर सोर्गे ने जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को एआई के युग में समावेशी स्टेम शिक्षा की उपयोगिता और संभावनाओं से अवगत कराया।

दौरे के दौरान प्रो. सोर्गे ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर, सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, विभिन्न शैक्षणिक विभागों, शोध सुविधाओं और परिसर की आधारभूत संरचनाओं का अवलोकन किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक वातावरण, अनुसंधान सुविधाओं और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विशेष अतिथि व्याख्यान दिया। एजुकेशन फॉर ऑल स्टेम एक्सेसिबिलिटी इन द एज ऑफ एआई विषय पर उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित की शिक्षा को सभी विद्यार्थियों के लिए सुलभ, समान और समावेशी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकें दिव्यांग, विभिन्न प्रकार की सीखने संबंधी आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।



जीएलए विश्वविद्यालय में दो दिवसीय शैक्षणिक दौरे के दौरान यूके के प्रोफेसर वोल्कर सोर्गे। साथ हैं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल और अन्य।

साथ ही एआई तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग, नवाचार और समावेशी शिक्षा की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। व्याख्यान के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए और उनके साथ सार्थक संवाद किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल, अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग के डीन प्रो. दिलीप कुमार शर्मा, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. अशोक भंसाली, डीन एकेडमिक्स प्रो. आशीष शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर डा. राहुल प्रधान उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ हुई चर्चा में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध परियोजनाओं, नवाचार, शिक्षक-विद्यार्थी आदान-प्रदान, जीएलए विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के बीच भविष्य में संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करना विद्यार्थियों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर नए अवसर प्रदान करता है। एआई के दौर में समावेशी शिक्षा और शोध आधारित नवाचार की विशेष आवश्यकता है। ऐसे शैक्षणिक संवाद संयुक्त शोध-ज्ञान के आदान-प्रदान को नई दिशा देते हैं।

डिजिटल दौर में कंटेंट क्रिएशन, सोशल मीडिया और पर्सनल ब्रांडिंग की बढ़ती ताकत के बीच जीएलए विश्वविद्यालय पहली बार क्रिएटर्स समिट '26 का आयोजन करने जा रहा है।

20 नवंबर को आयोजित होने वाले इस समिट का आयोजन मीडिया स्कूप क्लब की ओर से किया जा रहा है, जिसे आउटलुक द्वारा पावर्ड किया गया है। इसमें देशभर से विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां एक मंच पर जुटेंगी।

मीडिया स्कूप-सीनियर मैनेजर ब्रांडिंग अनमोल नागपाल ने बताया कि समिट में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, कंटेंट क्रिएटर्स, अभिनेता, सेलिब्रिटीज, उद्यमी, मार्केटिंग विशेषज्ञ, लेखक सहित अन्य क्षेत्रों के प्रतिष्ठित चेहरे शामिल होंगे। इस दौरान डिजिटल क्रिएटिविटी, मीडिया, एंटरटेनमेंट, मार्केटिंग, उद्यमिता और बदलते कंटेंट परिदृश्य से जुड़े अनुभव-विचार साझा किए जाएंगे।

मिठाई की उम्र छिपाकर बेच रहे दुकानदार

खुली मिठाइयों की ट्रे से गायब है यूज बाई डेट ग्राहकों को नहीं मिल रही ताजगी की गारंटी

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों और शादी-विवाह के सीजन में मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। इसी के साथ बासी और मिलावटी मिठाइयों की बिक्री का खतरा भी बढ़ता है। ग्राहकों को ताजी और सुरक्षित मिठाई मिल सके, इसके लिए शासन ने 15 अक्टूबर से खुली मिठाइयों की ट्रे और कंटेनर पर 'यूज बाई डेट' (अंतिम उपभोग तिथि) लिखना अनिवार्य कर दिया है। इसके बावजूद जिले में मिठाई विक्रेता नियम को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। दुकानों पर



मिठाइयां तो सजी हैं, लेकिन उनकी ताजगी की मियाद बताने वाली तारीख गायब है। खाद्य सुरक्षा विभाग की निगरानी भी अब तक प्रभावी नजर नहीं आ रही है। शहर के होली गेट, चौक बाजार, घीयामंडी, कृष्णा नगर, धौलीप्याऊ और गोवर्धन चौराहा की मिठाई दुकानों की पड़ताल में अधिकांश काउंटरों पर रखी मिठाइयों की ट्रे पर अंतिम उपभोग तिथि अंकित नहीं मिली। यहां सामान्य दिनों में प्रतिदिन 40 से 50 किलो मिठाई की खपत होती है, लेकिन पड़ताल में किसी भी दुकान की ट्रे पर यूज बाई डेट नहीं मिली। छाता कस्बे की करीब एक दर्जन दुकानों पर भी यही स्थिति रही। कोसीकलां में प्रतिदिन लगभग एक कुंतल मिठाई की बिक्री होती है, लेकिन यहां भी प्रमुख दुकानों पर उपभोग की अंतिम तिथि अंकित नहीं मिली। नियम के मुताबिक मिठाइयों की प्रकृति के अनुसार उनकी उपभोग अवधि एक दिन से लेकर एक माह तक हो सकती है। ऐसे में ट्रे या कंटेनर पर तारीख लिखना जरूरी है, ताकि ग्राहक जान सकें कि मिठाई कब तक खाने योग्य है। पैकेट बंद मिठाइयों पर पहले से ही एक्सपायरी डेट लिखने का प्रावधान है। ग्राहकों का कहना है कि मिठाई खरीदते समय उसकी वास्तविक ताजगी का पता लगाना मुश्किल होता है। यदि ट्रे पर अंतिम उपभोग तिथि लिखी होगी तो बासी मिठाई की बिक्री पर अंकुश लगेगा।

> "15 अक्टूबर से यह नियम लागू है। कुछ दुकानदार अंतिम उपभोग तिथि अंकित कर रहे हैं। दशहरा, दीपावली और छठ के त्योहारों के कारण अब तक जांच नहीं हो सकी। अब मिठाई की दुकानों की जांच कर पहले दुकानदारों को ट्रे पर यूज बाई डेट लिखने के निर्देश दिए जाएंगे। इसके बाद भी नियम का पालन नहीं करने वालों को नोटिस जारी किया जाएगा।
>
> **- डॉ. जतिन कुमार, सहायक आयुक्त खाद्य।**

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 117 केंद्र निर्धारित

70 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

21 नवंबर तक दर्ज करा सकेंगे आपत्तियां

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष जनपद में परीक्षा के लिए 117 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। बोर्ड की ओर से केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी कर संबंधित विद्यालयों और अन्य पक्षों से आपत्तियां मांगी गई हैं। किसी केंद्र के निर्धारण में त्रुटि, दूरी, क्षमता अथवा अन्य व्यवस्थाओं को लेकर शिकायत है तो 21 नवंबर तक यूपी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रत्यावेदन दर्ज कराया जा सकता है।

इस बार जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के कुल 70,021 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 35,141 और इंटरमीडिएट के 34,880 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। हाईस्कूल में 19,193 छात्र और 16,018 छात्राएं परीक्षा देंगी। वहीं इंटरमीडिएट में 20,665 छात्र और 14,215 छात्राएं शामिल होंगी। 117 परीक्षा केंद्रों की सूची जारी होने के बाद अब आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू होगी। विद्यालय प्रबंधक, प्रधानाचार्य अथवा अन्य संबंधित पक्ष निर्धारित प्रारूप में अपनी शिकायत और साक्ष्यों के साथ ऑनलाइन प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 21 नवंबर तक आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इसके बाद उनका परीक्षण कर परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची निर्धारित की जाएगी। अंतिम सूची जारी होने के बाद विभाग परीक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देगा।

पुलिस विभाग में फेरबदल, 50 निरीक्षकों के तबादले

यूनिक समय, मथुरा। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों के मद्देनजर पुलिस विभाग में निरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। पुलिस महानिरीक्षक स्थापना, लखनऊ के निर्देश पर पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के 50 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए हैं। तबादला सूची के अनुसार, मथुरा से महिला निरीक्षक पंकज रानी को फिरोजाबाद और हरेंद्र कुमार को मैनपुरी भेजा गया है। इनके अलावा अजय किशोर, दिनेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, अशोक कुमार, मोहित तोमर, चेतराम शर्मा, उमेश चंद्र त्रिपाठी, बॉबी कुमार शर्मा, किरण पाल, छोटे लाल, नरेश कुमार, कर्मवीर सिंह, प्रमोद कुमार शर्मा, शैलेंद्र सिंह, विनोद बाबू मिश्रा, अरविंद कुमार निर्वाल, अमित चौहान, मानवेंद्र कुमार त्यागी, देवपाल सिंह पुंडीर, अश्वनी कुमार और प्रशांत कपिल समेत अन्य निरीक्षकों को फिरोजाबाद भेजा गया है। वहीं अजय कौशल, अलका ठाकुर, राजकमल सिंह, रविंद्र कुमार दुहूज और मुकेश कुमार को मैनपुरी स्थानांतरित किया गया है। दूसरी ओर फिरोजाबाद से भानु प्रताप सिंह, अजय कुमार सिंह, बैजनाथ सिंह, राजेश कुमार पांडेय, अश्वनी कुमार भदौरिया, प्रेमशंकर पांडेय, ओमहरि बाजपेयी, राजेश सिंह, हेमेंद्र कुमार सिंह, राकेश कुमार और संतोष सिंह को मथुरा भेजा गया है।

मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी में बताए फॉर्म-6, 7 और 8 के महत्व

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज के श्याम चरण हॉल कॉरिडोर में बुधवार को स्वीप-ईएलसी टीम की ओर से मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6, मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7, नाम और पता संशोधन के लिए फॉर्म-8 की जानकारी देने वाले पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा और बीएसए कॉलेज के प्राचार्य ललित शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन मतदाता पंजीकरण बढ़ाने में सहायक होंगे। स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. दीनदयाल ने बताया कि फॉर्म-6, 7 और 8 ऑनलाइन भी भरे जा सकते हैं।

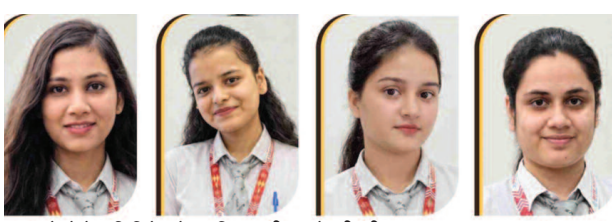
मिलेट्स महोत्सव में 600 किसानों ने जाना मोटे अनाज का महत्व

यूनिक समय, मथुरा। कृषि भवन परिसर में मंगलवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव एवं मेले का आयोजन किया गया। इसमें करीब 600 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। बलदेव विधायक पूरन प्रकाश ने किसानों से मोटे अनाज का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी ने ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी और सांवा जैसे मोटे अनाज के पोषण संबंधी लाभ बताए। उन्होंने कहा कि इनमें प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इनका सेवन मधुमेह, रक्तचाप और कुपोषण को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। उप कृषि निदेशक ने कृषि निवेशों की उपलब्धता और वितरण की जानकारी दी। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने कहा कि मिलेट्स को अपनी थाली में वापस लाना होगा, तभी वास्तविक पोषण का उद्देश्य पूरा होगा। महोत्सव में मिलेट्स से तैयार लड्डू, दलिया, बिस्कुट, खिचड़ी सहित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

राजीव एकेडमी की चार एमबीए छात्राओं का प्रतिष्ठित कंपनी में चयन

वरुण बेवरेजेज लिमिटेड में गरिमा, गुनगुन, खुशी और तुलसी को मिला रोजगार का अवसर

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की चार एमबीए छात्राओं का प्रतिष्ठित कंपनी वरुण बेवरेजेज लिमिटेड में चयन हुआ है। चयनित छात्राओं में गरिमा तरकर, गुनगुन शर्मा, खुशी रावत और तुलसी शर्मा शामिल हैं। इस उपलब्धि से संस्थान में हर्ष का माहौल है। चारों छात्राओं ने अपनी विषयगत जानकारी, आत्मविश्वास, संचार कौशल और व्यावसायिक दक्षता के दम पर कंपनी की चयन प्रक्रिया में सफलता हासिल की। एक साथ चार छात्राओं का प्रतिष्ठित कंपनी में चयन संस्थान की रोजगारपरक शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था की उपलब्धि माना जा रहा है। संस्थान में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ कॉर्पोरेट जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए नियमित प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, समूह चर्चा, संवाद कौशल और साक्षात्कार की तैयारी कराई जाती है। नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और टीम भावना विकसित करने के लिए भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।



वरुण बेवरेजेज लिमिटेड में चयनित राजीव एकेडमी की छात्राएं।

आरके एजुकेशन हब के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कंपनियों में विद्यार्थियों का चयन संस्थान के लिए गौरव की बात है। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि उन्हें ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने छात्राओं की सफलता को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि बदलते औद्योगिक और व्यावसायिक परिवेश के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करना संस्थान की प्राथमिकता है। अकादमिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि चारों छात्राएं कंपनी में भी अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन करेंगी। प्रशिक्षण-रोजगार विभाग ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई। विभाग के अनुसार विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही विभिन्न कंपनियों की चयन प्रक्रियाओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाता है। चार छात्राओं का चयन इसी प्रयास और उनकी मेहनत का परिणाम है।

न्यायालय अपर उप जिलाधिकारी, द्वितीय, मथुरा।

वाद संख्या-टी202501500107001
धारा-116 उ०प्र०रा०सं० 2006
रवि कुमार बनाम श्रीमती रंजना आदि
मौजा-सकराया वांगर तहसील व जिला मथुरा।

सूचना पत्र

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वादी रविकुमार पुत्र स्व० श्री मलखान निवासी ग्राम नगला चमारान भाग सकराया वांगर तहसील व जिला मथुरा आदि के द्वारा उपरोक्त वाद योजित किया गया है। जिसमें प्रतिवादी श्रीमती रंजना पत्नी श्री पप्पू निवासी ग्राम नगला सुरीर भाग आटस तहसील व जिला मथुरा, तेज सिंह पुत्र स्व० श्री बिस्सा निवासी ग्राम नगला चमारान भाग सकराया वांगर तहसील व जिला मथुरा, श्याम लाल पुत्र श्री रामप्रसाद निवासी ग्राम कुन्ज नगर भाग कोटा तहसील व जिला मथुरा, श्रीमती मिथलेश पत्नी श्री रमेशचन्द निवासी ग्राम अग्रसेन नगर कोटा तहसील व जिला मथुरा, श्रीमती रामवती पत्नी श्री राम प्रसाद निवासी ग्राम गोपाल गढ भाग सुनरख वांगर तहसील व जिला मथुरा, ग्राम पंचायत / गांव सभा सकराया वांगर तहसील व जिला मथुरा को बनाया गया है। अत: आपको सूचना दी जाती है कि उक्त वाद में अग्रिम तिथि दिनांक 25-11-26 प्रतिवाद पत्र दाखिल करने हेतु नियत है।

अत: आप दिनांक 25-11-26 समय प्रात: 10:00 बजे स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय अपर उप जिलाधिकारी, द्वितीय मथुरा में उपस्थित होकर अपना प्रतिवाद पत्र दाखिल करें अन्यथा की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश आज तारीख दिनांक 04-11-26 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से निर्गत किया गया है।

अपर उप जिलाधिकारी, द्वितीय मथुरा।

कूड़ा डंपिंग यार्ड में लगी आग, धुएं के गुबार से घुटा लोगों का दम

विरोध के चलते कूड़े से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को वापिस लेकर लौटा कर्मचारी

डंपिंग यार्ड में नहीं डालने दिया कूड़ा


ट्राली में कूड़ा भरकर आए पालिकाकर्मियों का विरोध करते लोग।

यूनिक समय, कोसीकलां। पुराना जीटी रोड स्थित एमडी जैन पब्लिक स्कूल के समीप स्थित नगर पालिका के कूड़ा डंपिंग यार्ड में एक बार फिर कूड़े के ढेर में आग लगने से हड़कंप मच गया। कूड़े में आग लगने से उठे धुएं के घने गुबार से आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों का जीना मुहाल हो गया।

बताया गया कि मंगलवार देर रात अज्ञात लोगों द्वारा डंपिंग यार्ड में पड़े कूड़े के ढेर में आग लगा दी गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और उससे उठा धुआं पूरे क्षेत्र में फैल गया।

धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन की समस्या का सामना करना पड़ा। घटना से क्षुब्ध क्षेत्र के लोग बुधवार की सुबह डंपिंग यार्ड पर एकत्र हो गए। लोगों ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड में कूड़े में आग लगने की यह कोई पहली घटना नहीं है, अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी बीच नगर पालिका की आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियां नगर का कचरा लेकर डंपिंग यार्ड पर पहुंचीं तो आक्रोशित लोगों ने उन्हें कचरा डालने से रोक दिया। लोगों ने स्पष्ट कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आकर इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं करते, तब तक वे डंपिंग यार्ड में कचरा नहीं डालने देंगे। विरोध के चलते डंपिंग यार्ड के बाहर सडक पर कूढे से भरे ट्रैक्टर-ट्रालियों की लंबी कतार लग गई। लोग काफी देर तक अधिकारियों के आने का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। अंततः पालिका कर्मचारी कचरा भरी ट्रैक्टर-ट्रालियों को लेकर वापस लौट गए।

बकरियों में एंटीबायोटिक के गलत इस्तेमाल से बढ़ रहा एएमआर का खतरा

12 राज्यों के 95 पशुपालकों ने लिया जागरूकता कार्यक्रम में भाग, सुरक्षित दवा उपयोग पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

यूनिक समय, फरह। बकरियों में एंटीबायोटिक और अन्य दवाओं के अनावश्यक इस्तेमाल से एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) का खतरा बढ़ रहा है। पशुओं के साथ मानव स्वास्थ्य पर भी इसका असर पड़ सकता है। इसी के प्रति पशुपालकों को जागरूक करने के लिए मंगलवार को केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 12 राज्यों के 95 पशुपालकों-उद्यमियों ने भाग लिया। इनमें पांच महिला पशुपालक भी शामिल रहीं। विश्व एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह (18 से 24 नवंबर) के तहत आयोजित कार्यक्रम की थीम 'एक स्वास्थ्य, एक संकल्पः एएमआर को अभी रोकें' रही। विशेषज्ञों ने पशुओं में एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग, पशु चिकित्सक की सलाह से उपचार और निर्धारित खुराक और अवधि का पालन करने की जानकारी दी। साथ ही संक्रमण की रोकथाम, पशु आवास में स्वच्छता और बेहतर पशुपालन प्रबंधन के महत्व पर चर्चा की।

विशेषज्ञों ने बताया कि दवाओं का अनावश्यक और गलत इस्तेमाल एएमआर को बढ़ावा देता है। इससे पशुओं और मनुष्यों दोनों में संक्रमण के उपचार की प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है।

भगवती रोड की गली में अंकों का काला कारोबार, कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के सबसे व्यस्ततम इलाके भगवती रोड की एक गली में सट्टे का अवैध कारोबार संचालित होने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने इस पर रोक लगाने की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, भगवती रोड की एक गली के अंदर स्थित मकान में सट्टे की पर्चियां लिखे जाने की चर्चा है। आरोप है कि गली के अंदर होने के कारण यह गतिविधि बाहर से नजर नहीं आती। लोगों का कहना है कि शाम के समय यहां लोगों का जमावड़ा लगता है और इस अवैध गतिविधि के चलते कई परिवारों पर आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है और युवा वर्ग पर भी गलत असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि उक्त स्थान की जांच कराकर यदि अवैध कारोबार संचालित पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

पुराना जीटी रोड पर लगा भीषण जाम घंटों फंसे रहे वाहन, राहगीर परेशान

यूनिक समय, कोसीकलां। पुराना जीटी रोड पर बल्देवगंज से लेकर घंटाघर तक बुधवार को जाम लगने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात पूरी तरह से प्रभावित हो गया। बुधवार दोपहर पुराना जीटी रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ ही जाम की स्थिति बन गई। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर स्कूली बस, कार, बाइक, ई-रिक्शा और अन्य वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। वाहन रेंग-रेंग कर चलते नजर आए और लोग जाम में फंसे रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण और बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण अक्सर यहां जाम लगता है। जाम के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों को परेशानी उठानी पड़ी। काफी देर बाद पुलिस के पहुंचने पर बडी मशक्कत के बाद यातायात सामान्य हो सका।

मांट क्षेत्र में मिली बच्ची गौरी परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस

पिता का नाम प्रेम और मां का आरती बता रही बच्ची

वृंदावन का रहने वाला बताया पिता



यूनिक समय, मथुरा। मांट थाना क्षेत्र में एक बच्ची मिलने के बाद पुलिस उसके परिजनों की तलाश में जुट गई है। बच्ची अपना नाम गौरी बता रही है। उसने अपनी मां का नाम आरती और पिता का नाम प्रेम बताया है। बच्ची के अनुसार, उसके पिता वृंदावन के निवासी हैं। पुलिस बच्ची से मिली जानकारी के आधार पर उसके परिजनों की पहचान और पता लगाने का प्रयास कर रही है, ताकि उसे सुरक्षित परिवार तक पहुंचाया जा सके। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई बच्ची गौरी को पहचानता है अथवा उसके परिजनों के संबंध में जानकारी रखता है तो तत्काल थाना मांट से संपर्क कर सूचित करें।

ठंड बढ़ते ही कुत्ते-बंदरों के काटने के मामले बढ़े, एंटी रेबीज ओपीडी में 300 मरीज

पिछले महीने रोजाना 220 से 250 मरीज पहुंच रहे थे


जिला अस्पताल में कुत्ते के काटने के बाद एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाती महिला और अपनी बारी का इंतजार करते मरीज।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव और ठंड की दस्तक के साथ ही शहर में कुत्तों और बंदरों के काटने के मामले बढ़ने लगे हैं। इसका असर जिला अस्पताल की एंटी रेबीज ओपीडी में दिखाई देने लगा है। पिछले महीने तक जहां रोजाना करीब 220 से 250 मरीज इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे थे, वहीं सोमवार को इनकी संख्या करीब 300 तक पहुंच गई। सुबह से ही टीका लगवाने के लिए अस्पताल में मरीजों की भीड़ लगी रही। इनमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल रहे। गली-मोहल्लों में घूमने वाले आवारा कुत्तों के अलावा बंदरों के काटने और खरोंच मारने के मामले भी सामने आ रहे हैं। इतना ही नहीं, घरों में पाले जाने वाले कुत्तों के काटने की घटनाएं भी हो रही हैं।

अचानक बढ़े मामलों के चलते एंटी रेबीज ओपीडी में मरीजों की आवाजाही बढ़ गई है। कई बार लोग कुत्ते या बंदर के काटने और खरोंच को मामूली चोट समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। जिला अस्पताल के फार्मासिस्ट गिर्राज सारस्वत ने बताया कि ठंड के मौसम में कुत्ते और बंदरों के काटने के मामलों में बढ़ोतरी के साथ एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने वालों की संख्या भी बढ़ जाती है। पिछले महीने रोजाना करीब 220 से 250 मरीज पहुंच रहे थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर करीब 300 हो गई है।

फार्मासिस्ट ने बताया कि कुत्ते या बंदर के काटने अथवा खरोंच लगने पर तत्काल सावधानी बरतनी चाहिए। सबसे पहले घाव को बहते पानी और लाइफबॉय जैसे साबुन से कम से कम 15 मिनट तक अच्छी तरह धोना चाहिए। इसके बाद बिना देरी किए चिकित्सक से संपर्क कर एंटी रेबीज टीका लगवाना चाहिए। जरूरत पड़ने पर चिकित्सक की सलाह से रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन भी लगवाना जरूरी हो सकता है। उन्होंने बताया कि एंटी रेबीज टीके का निर्धारित समय पर पूरा कोर्स कराना बेहद जरूरी है। बीच में टीका लगवाना बंद नहीं करना चाहिए।

फरह में कल सजेगा श्याम दरबार

यूनिक समय, फरह। कस्बा में षष्ठम श्री श्याम वार्षिक महोत्सव का आयोजन गुरुवार को धूमधाम से किया जाएगा। इस अवसर पर श्याम दरबार सजाने के साथ छप्पन भोग, अखंड ज्योति और भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन स्थल एचपी गैस एजेंसी के पास मुख्य बाजार रहेगा। महोत्सव के तहत 19 नवंबर को रात आठ बजे से श्याम संकीर्तन-जागरण होगा। 20 नवंबर को दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कोसीकलां के कवि सम्मेलन में बही हास्य, व्यंग्य और शायरी की त्रिवेणी

भरतमिलाप चौक पर सजी कवियों की महफिल

देर रात तक गूंजे ठहाके और तालियां


कवि सम्मेलन में जीएलए यूनिवर्सिटी के सीएफओ विवेक अग्रवाल और कुलपति डा. अनूप कुमार गुप्ता का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते श्री रामलीला संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी, मंत्री हैप्पी गर्ग।

यूनिक समय, कोसीकलां। मंगलवार देर शाम नगर के इतिहास में एक यादगार साहित्यिक शाम के रूप में दर्ज हो गई। नगर के भरतमिलाप चौक पर श्री रामलीला संस्थान और जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विराट कवि सम्मेलन-पुरस्कार वितरण समारोह में काव्य का ऐसा कुंभ सजा कि पूरा चौक श्रोताओं से खचाखच भर गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 6 बजे ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शोभाराम शर्मा और गिर्राज मझोइया द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। जैसे-जैसे रात गहराती गई, कवियों की वाणी का जादू श्रोताओं के सिर चढ़कर बोलने लगा। मेरठ से आईं प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. अनामिका जैन अंबर ने अपने ओजस्वी स्वर में देशभक्ति और नारी शक्ति पर कविताएं पढ़ीं तो पूरा चौक भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। खुशपुर से आए सूफियाना अंदाज के गजल सम्राट मोहन मुंतजिर ने मोहब्बत और इंसानियत पर जब शेर पढ़े तो श्रोता वाह-वाह कर उठे। ग्वालियर से आए रविन्द्र रवि ने अपनी चुटीली व्यंग्यात्मक कविताओं से राजनीति पर करारा प्रहार किया, तो सीतामढ़ी के डॉ. बजरंगी ने हास्य और श्रृंगार का ऐसा संगम पेश किया कि लोग लोटपोट हो गए। वाराणसी से आए दमदार बनारसी ने अपने बनारसी अंदाज में ठहाकों का ऐसा बम फोड़ा कि देर रात तक चौक तालियों से गूंजता रहा।

इसी बीच थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह भी कवि सम्मेलन में एक अलग ही रंग में नजर आए। वर्दी से इतर शायराना मिजाज में उन्होंने मंच संभाला और अपनी चुनिंदा शेरो-शायरी पेश की। उनके एक-एक शेर पर श्रोताओं ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया।

एक बार तो लोगों को लगा कि इंस्पेक्टर कमलेश सिंह सुरक्षा देखने आए हैं। लेकिन माइक संभालते ही वह एक कडक पुलिस अफसर से एक बेहतरीन शायर बन गये।

मंच से इंस्पेक्टर कमलेश सिंह ने कहा कि पुलिस का काम सिर्फ कानून व्यवस्था संभालना ही नहीं, समाज से जुडना भी है और कविता इसी जुडाव का एक माध्यम है। उनकी इस प्रस्तुति का वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है।

कवि सम्मेलन से पूर्व रामलीला संस्थान द्वारा विशेष सहयोगियों, कलाकारों, पत्रकारों और प्रशासनिक अधिकारियों को मंच से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामलीला संस्थान के समन्वयक राहुल जैन कामियां, संयोजक खगेंद्र सिंह बॉबी ठाकुर, अध्यक्ष गिर्राज सिंह, मंत्री हैप्पी गर्ग, कोषाध्यक्ष अनुराग तायल, चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सुविचार

कविता वह आवाज है, जो खामोश दिलों की बात कहती है।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	06:05-07:06 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	पू. भाद्रपद	06:10-06:56 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:43 AM	चन्द्रोदय	01:50 PM	
सूर्यास्त		5:26 PM	चंद्रास्त	12:06 AM	
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	कुंभ राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:54-05:47	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		01:25 PM: 02:45 PM	वार	गुरुवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

एकाम्बरणाथर शिव मंदिर: मां पार्वती के तप का प्रतीक है चमत्कारिक आम वृक्ष



यूनिक समय, मथुरा। भारत को 'देवभूमि' कहा जाता है, जहां हर प्रदेश में आस्था, इतिहास और अध्यात्म से जुड़ी अनोखी मान्यताएँ देखने को मिलती हैं। तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित एकाम्बरणाथर शिव मंदिर ऐसा ही एक पवित्र स्थल है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह मंदिर पंचतत्वों में से एक–पृथ्वी तत्व–का प्रतिनिधित्व करता है। भगवान शिव को समर्पित यह विशाल मंदिर न केवल अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां मौजूद चमत्कारी आम के वृक्ष के लिए भी जाना जाता है, जिस पर चार तरह की अलग–अलग प्रजाति के आम लगते हैं।

किंवदंती है कि मां पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इसी पवित्र स्थान पर कठोर तप किया था। उन्होंने रेत से शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा की। इस अद्भुत तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव साकार रूप में प्रकट हुए और पार्वती को स्वीकार किया। इसी पौराणिक विश्वास के कारण यह मंदिर 'मां पार्वती के तप का प्रतीक' माना जाता है और यहां आने वाले भक्तों को शिव–पार्वती के दिव्य मिलन का पुण्य प्राप्त होता है।

कांचीपुरम के इस प्राचीन मंदिर में भगवान शिव एकम्बरेश्वर शिवलिंग के रूप में विराजते हैं। यहां मां पार्वती को एलावार्कुझाली रूप में पूजा जाता है। हर साल देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। माना जाता है कि एक बार इस शिवलिंग का सच्चे मन से दर्शन करने पर जीवन के दुख, बाधाएँ और कष्ट दूर होने लगते हैं। यही वजह है कि यह मंदिर भारत के सबसे महत्वपूर्ण सात तीर्थस्थलों में शामिल है। एकाम्बरणाथर मंदिर अपने वास्तुशिल्प और भव्यता के कारण भी अद्वितीय है। लगभग 40 एकड़ में फैला यह परिसर कांचीपुरम के सबसे बड़े मंदिरों में गिना जाता है। मंदिर में बना विशाल अयिरम काल मंडपम (हज़ार स्तंभों वाला मंडप) स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। इस मंडपम में भगवान शिव की विभिन्न मुद्राओं में सुंदर प्रतिमाएँ उकेरी गई हैं।

यहां की दीवारों पर 1008 शिवलिंगों की शृंखला किसी को भी आश्चर्यचकित कर देती है। ये सभी शिवलिंग बड़े ही कलात्मक और धार्मिक महत्व से परिपूर्ण हैं। इतिहासकारों के अनुसार इस मंडपम और मंदिर के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों का निर्माण महान विजयनगर सम्राट कृष्णदेवराय के शासनकाल में हुआ था।

मंदिर का सबसे बड़ा आकर्षण है यहाँ स्थित 3500 वर्ष पुराना बताया जाने वाला आम का पेड़। मान्यता है कि यह वही वृक्ष है जिसके नीचे बैठकर मां पार्वती ने तप किया था। आश्चर्य की बात यह है कि इस एक ही पेड़ पर चार अलग–अलग किस्म के आम लगते हैं– यानी एक ही वृक्ष में चार दिशाओं से चार प्रजातियाँ उत्पन्न होती हैं। धार्मिक मान्यता है कि ये चारों दिशाएँ माता पार्वती की तपस्या की चार अवस्थाओं का प्रतीक हैं।

कांचीपुरम का यह मंदिर न केवल धार्मिक शक्ति का केंद्र है बल्कि भारतीय संस्कृति, इतिहास और चमत्कारों का जीवंत उदाहरण भी है। यहां दर्शन करने वाला हर व्यक्ति शांति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनोखा अनुभव लेकर लौटता है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

जया किशोरी का संदेश

इन बातों को किसी से भी साझा करना पड़ सकता है भारी



यूनिक समय, मथुरा। मशहूर कथावाचक जया किशोरी अक्सर सोशल मीडिया के माध्यम से जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश साझा करती हैं। उनकी बातों में गहराई भी होती है और जीवन को सही दिशा देने की क्षमता भी। हाल ही में उन्होंने ऐसी बातों के बारे में बताया है जिन्हें किसी से भी साझा करना मनुष्य को आगे बढ़ने से रोक सकता है और सुख–समृद्धि पर भी असर डाल सकता है।

जया किशोरी का कहना है कि यदि आप किसी बड़े काम या भविष्य की बड़ी योजना पर काम कर रहे हैं तो उसे गुप्त रखना ही सबसे अच्छा है। जब तक काम पूरा न हो जाए, उसे दूसरों से साझा करने पर अड़चनें आ सकती हैं और नज़र भी लग सकती है। वह बताती हैं कि प्रेम संबंध बेहद निजी होते हैं। इन्हें दूसरों से साझा करने पर रिश्ते में गलतफहमियां और तनाव बढ़ सकता है। कई बार लोग इन निजी बातों का मज़ाक भी बनाते हैं या नकारात्मकता फैलाते हैं।

घर–परिवार में तकरार हर जगह होती है, लेकिन इन्हें बाहर बताने से स्थिति और बिगड़ सकती है। बाहरी लोग इन बातों का इस्तेमाल आपको या परिवार को ताने देने में भी कर सकते हैं। इससे घर का सम्मान और शांति दोनों प्रभावित होते हैं। आप किस दिशा में आगे बढ़ने वाले हैं या आपकी अगली रणनीति क्या है–यह दूसरों को बताना आपके स्वयं के लिए बाधा बन सकता है।

एक व्यक्ति को बताया हुआ राज कई लोगों तक पहुंच जाता है, जिससे आपका प्रयास प्रभावित हो सकता है। जया किशोरी और अन्य ज्ञानीजन बताते हैं कि अपनी आय का खुलासा करने से ईर्ष्या, कटाक्ष और अनचाही उम्मीदें बढ़ सकती हैं। लोग आपकी कमाई जानकर आपसे लाभ लेने की कोशिश भी कर सकते हैं, इसलिए इसे निजी रखना ही समझदारी है।

सास–बहू की अनबन होगी दूर बस बदल लें ये चार आदतें

यूनिक समय, मथुरा। परिवार में सास–बहू का रिश्ता जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही संवेदनशील भी माना जाता है। कई बार घर के छोटे–मोटे काम, पुरानी परंपराएं और नई सोच के बीच तालमेल न बैठने से रिश्तों में तनाव पैदा हो जाता है। आचार्य चाणक्य की नीतियों से प्रेरित कुछ व्यवहारिक बातें इस रिश्ते को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं। आपसी समझ, संयम और सहयोग से घर का वातावरण सुखद बनाया जा सकता है।

सास या बहू की कोई बात बुरी लगने पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए। गुस्से में कही गई बातें रिश्तों में कड़वाहट बढ़ा सकती हैं। दोनों को एक–दूसरे की बात धैर्य से सुननी चाहिए। साथ ही उम्र, अनुभव और विचारों में अंतर को स्वीकार करते हुए



एक–दूसरे की पसंद और भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है।

घर की छोटी–मोटी अनबन को रिश्तेदारों और पड़ोसियों तक पहुंचाने से बचें। किसी परेशानी का

गुस्से पर रखें काबू, एक–दूसरे की भावनाओं का करें सम्मान

छोटी बातों को विवाद बनाने से बचें, गुस्से के बजाय समझदारी से लें काम

निजी बातें बाहर न करें जिम्मेदारियों में दें साथ

समाधान आपसी बातचीत से निकालने की कोशिश करें। इसके अलावा घर के कामों और जिम्मेदारियों को मिल–बांटकर निभाएं। जरूरी फैसलों में एक–दूसरे की राय को महत्व दें। इन चार आदतों से आपसी विश्वास बढ़ेगा और परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा।

विदाई में दुल्हन चावल फेंकती है ताकि मायके में बनी रहे सुख–समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू विवाह सिर्फ एक संस्कार नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और आशीर्वादों से बुनी हुई एक ऐसी रस्म है जिसका हर कदम विशेष अर्थ लिए होता है। विदाई का क्षण इनमें सबसे भावुक माना जाता है। इस समय दुल्हन द्वारा अपने पीछे चावल के दाने फेंकने की परंपरा सदियों पुरानी है और इसके पीछे कई धार्मिक मान्यताएँ जुड़ी हुई हैं। यह रस्म जितनी सरल दिखती है, उतनी ही गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भावना से भरी होती है।

भारत में बेटियों को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। जब दुल्हन अपने



मायके से विदा होती है तो माना जाता है कि वह अपने परिवार को सुख, समृद्धि और धन का आशीर्वाद देकर जा रही है। विदाई के दौरान चावल फेंकना इसी आशीर्वाद का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि बेटी – जो घर की लक्ष्मी होती है – अपने पीछे सुख–समृद्धि छोड़कर जाती है ताकि उसके मायके में हमेशा खुशहाली बनी रहे।

धर्मग्रंथों में चावल को पवित्रता, सम्पन्नता और शुभता का प्रतीक माना गया है। चावल अन्न का प्रतिनिधित्व करता है, और अन्न को 'जीवन का आधार' कहा गया है। इसलिए विदाई में चावल का उपयोग घर में अन्न–धन की निरंतरता और सकारात्मक ऊर्जा की कामना से जुड़ा है। यह परंपरा घर की समृद्धि को बुरी नजर से बचाने का भी एक तरीका मानी जाती है।

विदाई के समय दुल्हन यह रस्म अपने माता–पिता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए भी करती है। यह एक तरह से धन्यवाद है उन वर्षों का, जब परिवार ने उसे प्यार, शिक्षा, संस्कार और सुरक्षा दी। बिना शब्दों के उसे विदा करते हुए यह चावल उसके मन की भावना को व्यक्त करता है– कि वह अपने माता–पिता के लिए हमेशा खुशियों और पूरी जीवन सौभाग्य की कामना करती रहेगी। एक और मान्यता के अनुसार विदाई के समय दुल्हन पीछे मुड़कर नहीं देखती। इसका अर्थ है कि वह अपने मायके का सौभाग्य साथ नहीं ले जा रही, बल्कि अपने पीछे छोड़ रही है ताकि घर का मंगल कायम रहे। इस दौरान चावल फेंकना इस संकल्प का प्रतीक है कि वह अपने परिवार को हमेशा सकारात्मक ऊर्जाओं से भरपूर देखना चाहती है।

इस तरह, चावल फेंकने की यह परंपरा भावनाओं, आशीर्वाद, सम्मान और धार्मिक मान्यताओं का सुंदर मिश्रण है। यह रस्म दुल्हन के नए जीवन की शुरुआत के साथ ही उसके मायके के लिए शुभकामनाओं की पवित्र छाया छोड़ने का प्रतीक बन जाती है।

सम्पादकीय

असली ऊंचाई दूसरों के लिए झुकने में ही छिपी है

आज के दौर में हर कोई ऊंचाई छूने की होड़ में है। कोई ऊंची इमारत बनाना चाहता है, कोई बड़े पद पर पहुंचना चाहता है तो कोई सोशल मीडिया पर लाखों अनुयायी जुटाकर खुद को खास साबित करने में लगा है। लेकिन इस दौड़ में एक सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है कि आखिर हमारी ऊंचाई से दूसरों को क्या हासिल हुआ? शिमला की जाखू पहाड़ी पर 20 वर्षीय अभिनंदित सिंह सौंखला ने इसी सवाल का जवाब अपने व्यवहार से दे दिया।



पवन गौतम
संपादक

हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित जेपी यूनिवर्सिटी का यह युवा छात्र शिमला को केवल पर्यटन स्थल नहीं, अपना घर मानता है। वह पर्यटकों को पहाड़ियों, रास्तों, मंदिरों और स्थानीय खानपान की जानकारी ऐसे देता है, जैसे कोई पुराना गाइड नहीं, बल्कि अपने घर आए मेहमान का स्वागत कर रहा हो। जाखू पहाड़ी पर हनुमानजी की 108 फीट ऊंची प्रतिमा के सामने खड़े होकर उसने रामायण की संजीवनी वाली कथा सुनाई। साथ ही यह संदेश भी दिया कि हनुमानजी की महानता केवल उनके अतुलित बल में नहीं, बल्कि उस शक्ति को दूसरों के काम में लगाने में थी।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना देखिए कि आज समाज में ताकत का प्रदर्शन करने वालों की कमी नहीं है, लेकिन उसका इस्तेमाल किसी की मदद में करने वाले कम दिखाई देते हैं। किसी के पास पैसा है तो उसका प्रदर्शन जरूरी है, किसी के पास पद है तो रौब दिखाना जरूरी है और किसी के पास ज्ञान है तो उसे दूसरों से छिपाकर रखना प्रतिष्ठा समझी जाती है। ऐसे माहौल में अभि का बिना किसी अपेक्षा के अपना ज्ञान बांटना किसी बड़े व्याख्यान से कम नहीं।

उसके परिवार का व्यवसाय भी इसी सोच को आगे बढ़ाता है। गर्मियों में अपनी 14 कमरों वाली संपत्ति के बजाय केवल आठ कमरे खोलने की योजना है, ताकि पर्यटकों को भीड़ नहीं, बेहतर अनुभव दिया जा सके। आज जहां होटल व्यवसाय में ज्यादा कमरे भरना ही सफलता का पैमाना है, वहां कम मेहमानों को बेहतर मेजबानी देना अलग ही सोच है।

दरअसल, हम अक्सर मंजिल, महंगी सुविधाओं और दिखावे को याद रखते हैं, जबकि जिंदगी में याद रह जाते हैं वे लोग, जिन्होंने हमारे सफर को आसान और अनुभव को खूबसूरत बनाया।

फंडा यह है कि ऊंचा वही नहीं होता जो दूसरों से ऊपर खड़ा हो, बल्कि वह होता है जो जरूरत पड़ने पर दूसरों को ऊपर उठाने के लिए अपना हाथ बढ़ाए। हनुमानजी की शक्ति से यही सीख मिलती है कि सामर्थ्य का असली सम्मान प्रदर्शन में नहीं, परोपकार में है।

नजरिया

स्वच्छ हवा से हर साल बच सकती हैं 90 लाख से अधिक जिंदगियां

बोध प्रकाश सगुणी



वायु प्रदूषण आज केवल पर्यावरण से जुड़ी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक संकट बन चुका है। प्रदूषित हवा में सांस लेने की कीमत इंसान को अपनी जिंदगी देकर चुकानी पड़ रही है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यदि दुनिया को स्वच्छ हवा उपलब्ध हो जाए तो हर साल 90 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के हालिया अध्ययन में सामने आए ये निष्कर्ष दुनिया के लिए चेतावनी हैं। अध्ययन में 136 देशों के हालात का विश्लेषण किया गया है। यह स्पष्ट करता है कि वायु प्रदूषण पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

आज जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण एक–दूसरे से जुड़ी ऐसी चुनौतियां बन गए हैं, जिनका असर दुनिया के लगभग हर हिस्से में दिखाई दे रहा है। कहीं बेमौसम बारिश हो रही है तो कहीं सूखा और भीषण गर्मी लोगों का जीवन प्रभावित कर रही है। आंधी–तूफान, जंगलों में आग, समुद्री तूफान, भूस्खलन और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएं भी चिंता बढ़ा रही हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ने के साथ प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। दूसरी ओर महानगरों में प्रदूषण, धुंध और जहरीली हवा लोगों की सेहत के लिए खतरा बन रही है। कई शहरों में प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) जैसी पाबंदियां लागू करनी पड़ती हैं।

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे को देखते हुए दिसंबर 2015 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित कॉप–21 सम्मेलन में ऐतिहासिक समझौते की रूपरेखा तैयार की गई थी। चार नवंबर 2016 को पेरिस समझौता लागू होने के साथ दुनिया के देशों ने ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इससे उम्मीद जगी थी कि विकसित और विकासशील देश मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास करेंगे। इस समझौते का उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करना था।

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति के बावजूद इस दिशा में चुनौतियां बनी हुई हैं। अमेरिका का पेरिस समझौते से दोबारा अलग होने का फैसला वैश्विक प्रयासों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भी अमेरिका को इस समझौते से अलग कर चुके थे। जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका फिर इसमें शामिल हुआ, लेकिन ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में 2026 में एक बार फिर इससे अलग होने का फैसला किया गया। अमेरिका जैसे बड़े औद्योगिक और उत्सर्जक देश की ऐसी नीति वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को कमजोर कर सकती है। जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं है, इसलिए इससे निपटने के लिए सभी देशों की साझा जिम्मेदारी जरूरी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सूक्ष्म कणों यानी पीएम–2.5 का स्तर स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। ये बारीक कण सांस के साथ शरीर में पहुंचकर फेफड़ों और हृदय को प्रभावित कर सकते हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में शून्य से 50 तक का स्तर अच्छा, जबकि 51 से 100 तक संतोषजनक माना जाता है। इसके बाद प्रदूषण का प्रभाव बढ़ने लगता है। 300 से अधिक एक्यूआई की स्थिति बेहद खराब और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती है।

प्रदूषित हवा का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है। लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने से फेफड़ों की बीमारियां, हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और डिमेंशिया जैसी बीमारियों से इसका संबंध सामने आया है। प्रदूषण के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ती है और परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। इस तरह वायु प्रदूषण केवल स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि देश की उत्पादकता और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता है।

भारत के संदर्भ में भी तस्वीर चिंताजनक है। प्रदूषित हवा के कारण बड़ी संख्या में लोग श्वसन संबंधी बीमारियों, हृदय रोग और स्ट्रोक की चपेट में आते हैं। डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारी का जोखिम भी बढ़ता है। वायु प्रदूषण से होने वाली समयपूर्व मौतों और बीमारियों का बोझ स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में स्वच्छ हवा उपलब्ध कराना केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की प्राथमिकता होनी चाहिए। वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक इस्तेमाल शामिल है। बिजली उत्पादन करने वाले ताप विद्युत संयंत्र, औद्योगिक इकाइयां और परिवहन क्षेत्र बड़ी मात्रा में प्रदूषक उत्सर्जित करते हैं। इसके अलावा निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना, पराली और पटाखे भी हवा की गुणवत्ता खराब करते हैं। मौसम की परिस्थितियां भी प्रदूषण को एक स्थान पर रोककर स्थिति को गंभीर बना सकती हैं।

हालांकि, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का विस्तार हो रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल भी बढ़ रहा है, लेकिन अभी ऊर्जा और परिवहन क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता काफी अधिक है। इसे कम करने के लिए योजनाबद्ध और समयबद्ध प्रयास जरूरी हैं। उद्योगों में स्वच्छ तकनीक अपनाने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की जरूरत है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का अध्ययन दुनिया के 136 देशों के संदर्भ में यह संकेत देता है कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण का लाभ केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहेगा।

इससे लाखों लोगों का जीवन बचाने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च भी कम किया जा सकता है। बीमारी के कारण कामकाज प्रभावित होने और उत्पादकता घटने की समस्या में भी कमी आएगी। सरकारों को प्रदूषण नियंत्रण को मौसमी अभियान के बजाय दीर्घकालिक नीति का हिस्सा बनाना होगा। नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन, वृक्षारोपण और कचरा प्रबंधन को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। आखिरकार स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, बल्कि हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। दुनिया यदि समय रहते इस चुनौती को गंभीरता से लेती है तो आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य दिया जा सकता है।

विचार विंडो

सौ चूहे खाकर बिल्ली चली शांति का पाठ पढ़ाने

राम प्रकाश शर्मा

युद्ध और तनाव के तीन बड़े किरदार अब दुनिया को बताएंगे अमन का रास्ता, महाशक्तियों की बैठक में शांति से ज्यादा अपने हितों की चिंता

दुनिया की राजनीति भी अजीब रंग दिखाती है। एक तरफ ताकत के दम पर अपना वर्चस्व स्थापित करने की होड़ है, दूसरी तरफ शांति का झंडा बुलंद करने की कवायद। अब दुनिया की तीन बड़ी महाशक्तियों के नेता एक मंच पर बैठकर वैश्विक शांति और स्थिरता की बात करने जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रस्तावित मुलाकात को इसी विरोधाभास के चश्मे से देखा जा रहा है। कहावत है कि सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। कुछ ऐसा ही दृश्य इन तीन नेताओं की शांति पहल में दिखाई देता है। सवाल है कि जिनके अपने फैसलों से दुनिया के कई हिस्सों में तनाव बढ़ा है, वे आखिर दुनिया को अमन का रास्ता कैसे दिखाएंगे?

डोनाल्ड ट्रंप की बात करें तो उनकी राजनीति में शांति और शक्ति प्रदर्शन दोनों साथ–साथ चलते हैं। नोबेल शांति पुरस्कार पाने की इच्छा जताने वाले ट्रंप एक ओर युद्ध खत्म कराने का दावा करते हैं तो दूसरी ओर ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकियां देते रहे हैं। मध्य पूर्व में तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच टकराव तथा सैन्य कार्रवाई की आशंकाओं ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अस्थिर बनाया है। ऐसे में ट्रंप की शांति पहल को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या उनका मकसद वास्तव में युद्ध रोकना है या दुनिया के सामने अमेरिकी नेतृत्व की ताकत का प्रदर्शन करना?

दूसरे किरदार व्लादिमीर पुतिन हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और अनेक शहरों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। युद्ध समाप्त करने की दिशा में निर्णायक सफलता अब तक नहीं मिल पाई है। ऐसे में पुतिन जब शांति की बात करेंगे तो दुनिया यह जरूर जानना चाहेगी कि क्या वे युद्ध समाप्त करने के लिए वास्तविक समझौते को तैयार हैं या



अपनी सैन्य और राजनीतिक उपलब्धियों को मान्यता दिलाना चाहते हैं? अमेरिका और चीन के राष्ट्राध्यक्षों के साथ उनकी तस्वीर रूस के लिए कूटनीतिक प्रतिष्ठा बढ़ाने का अवसर भी हो सकती है।

तीसरे खिलाड़ी शी जिनपिंग हैं। चीन एक तरफ वैश्विक सहयोग और शांति की बात करता है, दूसरी ओर ताइवान को लेकर उसका सख्त रुख और दक्षिण चीन सागर में बढ़ती गतिविधियां पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ाती हैं। फिलीपींस और वियतनाम जैसे देश समुद्री क्षेत्रों में चीन की दावेदारी को लेकर लगातार सतर्क हैं। ऐसे में सवाल है कि क्षेत्रीय दबाव की राजनीति करने वाला चीन वैश्विक शांति का कौन–सा मॉडल पेश करेगा?

इस प्रस्तावित बैठक का एजेंडा केवल युद्ध रोकने तक सीमित नहीं माना जा सकता। इसके पीछे परमाणु हथियारों का संतुलन, व्यापारिक हित, सैन्य वर्चस्व और नई विश्व व्यवस्था में अपनी जगह मजबूत करने की रणनीति भी है। अमेरिका चाहता है कि चीन परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ी बातचीत में शामिल हो। लेकिन चीन के लिए यह आसान फैसला नहीं होगा। वह अपनी सामरिक क्षमता पर किसी बाहरी दबाव को स्वीकार करने से बचना चाहेगा। रूस भी परमाणु शक्ति के मामले में अपनी स्थिति और प्रभाव को बनाए रखना चाहता है।

दरअसल, तीनों नेताओं के अपने–अपने राजनीतिक गणित हैं। ट्रंप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कूटनीतिक सफलता दिखानी है, पुतिन को पश्चिमी देशों के बीच रूस की स्वीकार्यता मजबूत करनी है और जिनपिंग को यह साबित करना है कि चीन के बिना कोई भी वैश्विक व्यवस्था अधूरी है। यानी शांति की मेज पर बैठने के बावजूद तीनों की निगाहें अपने–अपने राष्ट्रीय हितों पर टिकी रहेंगी।

इस मुलाकात का एक गंभीर पहलू यह भी है कि क्या दुनिया का भविष्य अब कुछ महाशक्तियों के आपसी समझौतों से तय होगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर जैसे विवादों से प्रभावित देशों की अपनी संप्रभुता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। कहीं ऐसा न हो कि बड़ी ताकतें अपने हितों के लिए छोटे देशों के भविष्य का सौदा करने लगें। इतिहास में 1945 का याल्टा सम्मेलन इसका उदाहरण रहा है, जब द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बड़ी शक्तियों ने यूरोप की राजनीतिक व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण फैसले किए थे।

बहरहाल, शांति की बातें करना आसान है, लेकिन उसके लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाना कठिन। दुनिया को भाषणों, तस्वीरों और कूटनीतिक घोषणाओं से ज्यादा जमीन पर परिणाम चाहिए। इन तीन नेताओं की असली परीक्षा इसी बात से होगी कि वे अपने टकराव और विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं से कितना पीछे हटते हैं। वरना शांति सम्मेलन भी महज शक्ति प्रदर्शन का नया मंच बनकर रह जाएगा।

फंडा यह है कि दुनिया को शांति का उपदेश देने से पहले खुद अपने फैसलों से पैदा हुई अशांति को खत्म करना होगा। क्योंकि शांति की असली पहचान मंच पर साथ बैठने से नहीं, बल्कि युद्ध की आशंकाओं को खत्म करने और इंसानियत को सुरक्षित रखने से होती है।

सीएसके ने 14.20 करोड़ के प्रशांत वीर को किया रिलीज

16 दिसंबर को गोवा में लगेगी खिलाड़ियों पर बोली



यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इस दौरान चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का फैसला सबसे ज्यादा चर्चा में है। टीम ने 14.20 करोड़ रुपए में खरीदे गए प्रशांत वीर को रिलीज कर दिया है। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स ने सबसे ज्यादा 9-9 खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया है। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित होगा। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के पास सबसे ज्यादा 47.45 करोड़ रुपए का पर्स बचा है। उनके जाने से टीम के पास 14 करोड़ रुपए अतिरिक्त होंगे। मुंबई इंडियंस ने ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर को रिलीज किया है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने शिमरोन हेटमायर, तुषार देशपांडे और एडम मिल्ने को बाहर का रास्ता दिखाया। पंजाब किंग्स ने मार्कस स्टोयनिस को बरकरार रखा, लेकिन नेहल वढेरा को रिलीज कर दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जैकब बेथेल समेत पांच खिलाड़ियों को रिलीज किया है। वहीं गुजरात टाइटंस ने शाहरुख खान और ईशांत शर्मा सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर किया। चेन्नई ने प्रशांत वीर के अलावा मैथ्यू शॉर्ट, मैट हेनरी और आकाश मधवाल समेत कई खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इसके बाद टीम के पास 28.05 करोड़ रुपए बचे हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने आवेश खान को भी रिलीज कर दिया है। अब सभी टीमों की नजरें मिनी ऑक्शन पर होंगी, जहां वे अपनी जरूरत के मुताबिक नए खिलाड़ियों को खरीदकर टीम मजबूत करेंगी।

धोनी के आईपीएल संन्यास पर रोहित का भावुक संदेश



17 नवंबर को धोनी ने आईपीएल से संन्यास का ऐलान किया था

अब सीएसके में मेंटर की भूमिका निभाएंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी के आईपीएल से संन्यास लेने के फैसले के बाद क्रिकेट जगत से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने भी धोनी के लिए खास संदेश साझा किया है। रोहित ने सोशल मीडिया पर धोनी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें शानदार आईपीएल करियर के लिए बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'धोनी भाई, आपके शानदार आईपीएल करियर के लिए बधाई। इतने सालों तक आपके साथ मैदान साझा करना और कई यादें बनाना बहुत अच्छा रहा। आपके लिए बहुत सम्मान।' बता दें कि धोनी ने 17 नवंबर को आईपीएल से संन्यास का ऐलान किया था। अब वह चेन्नई सुपर किंग्स के साथ मेंटर की भूमिका निभाएंगे। धोनी ने आईपीएल में अपना आखिरी मुकाबला 2025 में खेला था। वह 2026 सीजन में टीम का हिस्सा तो थे, लेकिन मैदान पर नहीं उतरे। धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार आईपीएल का खिताब जीता। टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में ट्रॉफी अपने नाम की। इसके अलावा उनकी कप्तानी में सीएसके ने दो बार चैंपियंस लीग का खिताब भी जीता था।

सैंडपेपरगेट विवाद पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का बड़ा फैसला



उस्मान ख्वाजा के खुलासों के बाद फिर गरमाया मामला

2018 की घटना की दोबारा जांच नहीं करेगा बोर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के चर्चित सैंडपेपरगेट विवाद ने एक बार फिर हलचल मचा दी है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा में इस घटना को लेकर कई खुलासे किए थे, जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने फैसला किया है कि इस मामले से जुड़े खिलाड़ियों और स्टाफ को अपनी बात रखने का मौका देने के लिए एक स्वतंत्र और गोपनीय मंच बनाया जाएगा।

हालांकि, 2018 की घटना की दोबारा जांच नहीं होगी। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। जांच के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरून बैनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगाया गया था। अब इस विवाद पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम अध्यक्ष डेविड बून और मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नए फैसले की जानकारी दी।

ग्रीनबर्ग के मुताबिक, इस मंच में शामिल होना पूरी तरह स्वैच्छिक होगा और किसी पर दबाव नहीं बनाया जाएगा। आने वाले दिनों में एक स्वतंत्र व्यक्ति नियुक्त किया जाएगा, जो इसकी प्रक्रिया तय करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य किसी पर दोबारा मुकदमा चलाना या सजा देना नहीं है, बल्कि सभी को सुरक्षित माहौल में अपनी बात रखने का अवसर देना है। बोर्ड का मानना है कि इस पहल से लंबे समय से चले आ रहे विवाद के प्रभाव को खत्म करने और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एकता कपूर की नई हॉरर फिल्म का ऐलान, साजिद खान के साथ मिलाया हाथ



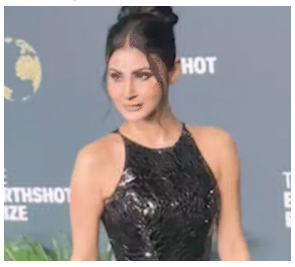
यशवर्धन आहूजा और नितांशी गोयल आएंगे नजर

फरवरी 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म निर्माता एकता आर कपूर एक बार फिर हॉरर जॉनर में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'हीरो की हॉरॉरोइन' के लिए निर्देशक साजिद खान और निर्माता अमर बुटाला के साथ हाथ मिलाया है। लंबे समय से चर्चा में रही इस फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक डरावना वीडियो साझा करते हुए बताया कि फिल्म फरवरी 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में हॉरर, कॉमेडी और रोमांस का मिश्रण देखने को मिलेगा। साजिद खान इस फिल्म के जरिए निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। वह इससे पहले 'हाउसफुल', 'हाउसफुल 2' और 'हिम्मतवाला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। वहीं, फिल्म में गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा मुख्य अभिनेता के रूप में डेब्यू करेंगे। उनके साथ नितांशी गोयल फीमेल लीड भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा सुनीता आहूजा, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर भी अहम किरदार निभाएंगे। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अमर बुटाला कर रहे हैं। इसे जय हो मीडिया वेंचर्स के सहयोग से बनाया जा रहा है और बालाजी टेलीफिल्म्स इसे प्रस्तुत करेगी। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और किरदारों से जुड़े ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं।

अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स का आयोजन आलिया-करण समेत पहुंचे कई सितारे





सोनम कपूर ने प्रदूषण पर जताई चिंता

बोली- गंगा को साफ करने के बाद फिर गंदा कर दिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में 16-17 नवंबर को अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन किया गया। इस समारोह में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के अलावा बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं। आलिया भट्ट, सोनम कपूर, करण जौहर, भूमि पेडनेकर, निमरत कौर, खुशी कपूर, मौनी रॉय और ईशान खट्टर भी नजर आए। समारोह की मेजबानी करण जौहर ने की। इस दौरान सोनम कपूर ने पर्यावरण और बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश में जो हो रहा है, वह डराने वाला है। अपने बच्चों का भविष्य सोचकर डर लगता है कि हम उनके लिए कैसी दुनिया छोड़कर जाएंगे। उन्होंने गंगा नदी का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने इसे साफ किया, लेकिन फिर दोबारा बहुत गंदा कर दिया। पर्यावरण की जिम्मेदारी हर व्यक्ति की है और इसकी शुरुआत अपने घर से करनी होगी। वहीं अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने भी प्रदूषण पर चिंता जताई। अर्थशॉट प्राइज की शुरुआत 2020 में प्रिंस विलियम और रॉयल फाउंडेशन ने की थी। इस साल करीब 7 हजार नामांकनों में से 15 फाइनलिस्ट चुने गए और पांच विजेताओं को 10-10 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि दी गई। भारत की महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को क्लीन अवर एयर श्रेणी में पुरस्कार मिला।

भारत के खिलाफ मैच में नस्लवाद का आरोप



कप्तान गंगटे के साथ हुई कथित नस्लभेदी हरकत पर रेफरी ने नहीं लिया एक्शन

भारत ने 4-1 से दर्ज की शानदार जीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालीफायर में भारत और फिलिस्तीन के बीच खेले गए मुकाबले में नस्लभेदी व्यवहार का मामला सामने आया है। 17 नवंबर को कुआलालंपुर में हुए इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के साथ फिलिस्तीनी खिलाड़ी की कथित नस्लभेदी हरकत कैमरे में कैद हो गई। हैरानी की बात यह रही कि लाइव प्रसारण में घटना दिखाई देने के बावजूद रेफरी ने संबंधित खिलाड़ी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

दरअसल, मुकाबले के दौरान फिलिस्तीन के नंबर-19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान गंगटे के पास नाक पर पंखा झलने जैसी हरकत करते देखा गया, जिसे नस्लभेदी व्यवहार माना जा रहा है। इसके अलावा फिलिस्तीनी खिलाड़ियों पर भारतीय फुटबॉलरों को उकसाने और शारीरिक रूप से परेशान करने के भी आरोप लगे। मैच के नौवें मिनट के आसपास फिलिस्तीन के मोहम्मद जमहूर ने एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर रख दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने जमहूर को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर कर दिया। हालांकि, विवाद के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन किया। भारत की ओर से कंबोहाओ ने सातवें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद मुकुंदो ने 51वें, कप्तान गंगटे ने 58वें और जोरमदिनथारा ने 88वें मिनट में गोल दागा। इस तरह भारतीय टीम ने फिलिस्तीन को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

'राम हर भारतीय के खून में हैं', जावेद अख्तर के बयान ने खींचा ध्यान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने भगवान राम को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि राम हर भारतीय के खून में हैं, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। जावेद अख्तर ने मंगलवार को इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी की म्यूजिक क्रिएटर रिपोर्ट लॉन्च के दौरान यह बात कही। रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लेकर उन्होंने बताया कि अभी तक फिल्म नहीं देखी है, लेकिन उनकी बेटी जोया अख्तर इसे देखकर काफी तारीफ कर चुकी हैं। जावेद ने कहा कि राम केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि आदर्श, नैतिकता और जीवन जीने के तरीके का प्रतीक हैं। उन्होंने 'स्वदेश' फिल्म के अपने मशहूर गीत की पंक्ति 'मन से रावण जो निकाले, राम उसके मन में हैं' का भी जिक्र किया। इसके अलावा उन्होंने हिंदी सिनेमा में साहित्यिक कहानियों पर कम फिल्में बनने पर चिंता जताई। उनके मुताबिक, फिल्ममेकर अक्सर एक जैसे फॉर्मूले पर काम करते हैं और सभी दर्शकों को खुश करने की कोशिश में अलग तरह की कहानियों से दूरी बना लेते हैं।

एथेनॉल के टैंकर में धमाके से केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग







कानपुर में एक किलोमीटर दूर तक दिखी लपटें

केआईटी के 300 छात्र हॉस्टल से बाहर निकले

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के रूमा इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार रात एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में एथेनॉल से भरे टैंकर आ गए, जिनमें से एक तेज धमाके के साथ फट गया।

धमाके के बाद आग की लपटें करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दीं। घटना के बाद फैक्ट्री से सटे कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केआईटी) के हॉस्टल में रह रहे करीब 300 छात्र बाहर निकल आए। पुलिस ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। आग निकोलस पिगमेंट यूनिट–1 में लगी थी। फैक्ट्री में 20–20 हजार लीटर एथेनॉल से भरे तीन टैंकर मौजूद थे। बाकी टैंकरों में विस्फोट की आशंका को देखते हुए उन पर लगातार पानी डालकर ठंडा किया गया।

एहतियातन एक किलोमीटर का इलाका सील कर आसपास की फैक्ट्रियां खाली कराई गईं। पास की बस्ती के करीब 50 घरों से भी लोगों को बाहर निकाला गया। आग बुझाने के लिए कानपुर और आसपास के जिलों से दमकल की 15 से अधिक गाड़ियां बुलाई गईं। एसडीआरएफ और पीएसी ने भी मोर्चा संभाला। करीब 22 हजार लीटर क्षमता वाले फायर टेंडर की मदद से आग की लपटें कम हुईं।

दमकलकर्मियों ने करीब दो लाख लीटर पानी डालकर रात 12:30 बजे आग पर काबू पाया। जहरीली गैस और केमिकल की वजह से राहत कार्य में परेशानी आई। सीएफओ दीपक शर्मा के मुताबिक, घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फैक्ट्री को करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है।

गलियों में खड़ीं सैकड़ों अवैध इमारतें हजारों परिवारों की जान खतरे में

राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड के बाद केडीए ने ध्वस्तीकरण का नोटिस दिया

15 दिन में मांगा जवाब, पांच अवैध निर्माण सील



यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के पुराने और घनी आबादी वाले इलाकों में संकरी गलियों के बीच नियमों को ताक पर रखकर बनाई गई बहुमंजिला इमारतें हजारों परिवारों के लिए खतरा बन गई हैं। पटकापुर के राधिका अपार्टमेंट में हुए भीषण अग्निकांड में दो लोगों की मौत के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने कार्रवाई शुरू कर दी है। करीब 150 वर्गमीटर के भूखंड पर बनी छह मंजिला इस इमारत का नक्शा प्राधिकरण से स्वीकृत नहीं था। केडीए ने नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम–1973 की धारा 27 के तहत बिल्डर को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। निर्माण में लापरवाही और अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। इसे एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपनी है। जांच में तत्कालीन सुपरवाइजर और अवर अभियंताओं की भूमिका भी देखी जाएगी। रामनारायण बाजार और आसपास के दो किलोमीटर क्षेत्र में सात–आठ साल के दौरान करीब 40 बहुमंजिला अपार्टमेंट बने हैं। इनमें कई छह–सात मंजिला इमारतें संकरी गलियों में स्थित हैं। राधिका अपार्टमेंट में 12 परिवारों के सामने अब बेघर होने का खतरा है। हादसे के बाद केडीए ने चमनगंज, कर्नलगंज और बेकनगंज में पांच अवैध निर्माण सील किए। इससे पहले चार इमारतों पर कार्रवाई हुई थी। प्राधिकरण पुराने अपार्टमेंट का सुरक्षा ऑडिट कराने और फायर उपकरण व इमरजेंसी सीढ़ियां अनिवार्य करने की योजना पर भी विचार कर रहा है।

ऑपरेशन गांडीव–5: विधान भवन पर आतंकी हमले की साजिश नाकाम

एनएसजी कमांडो और यूपी पुलिस ने हेलिकॉप्टर से उतरकर संभाला मोर्चा

बंधकों को छुड़ाने और बम निष्क्रिय करने का किया अभ्यास

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में एनएसजी कमांडो और यूपी पुलिस ने संयुक्त मॉकड्रिल के जरिए विधान भवन पर आतंकी हमले की स्थिति से निपटने का अभ्यास किया। ऑपरेशन 'गांडीव–5' के तहत गुरुवार को एमआई–17 और अन्य हेलिकॉप्टर से कमांडो विधान भवन और लोकभवन परिसर में उतरे। आतंकियों द्वारा कई वीआईपी, अधिकारियों और नागरिकों को बंधक बनाए जाने की सूचना पर कमांडो ने मोर्चा संभाला और कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर को अपने नियंत्रण में लेने का अभ्यास किया। हेलिकॉप्टर से उतरने के बाद जवान अलग–अलग दिशाओं में फैल गए और अपनी पोजिशन संभाली। मॉकड्रिल के दौरान बम निरोधक दस्ते ने परिसर में लगाए गए बमों को खोजकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का अभ्यास किया। कमांडो ने आधुनिक हथियारों, रडार, सर्विलांस कैमरों और मिनी ड्रोन का इस्तेमाल किया।

कैनाइन यूनिट के डॉग स्क्वायड भी अभ्यास में शामिल रहे। पूरी कार्रवाई की निगरानी ड्रोन कैमरों से की गई। इससे पहले बुधवार को लखनऊ जंक्शन, आलमबाग बस अड्डे, लोकभवन, लुलु मॉल और पलासियो मॉल में भी मॉकड्रिल हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर संयुक्त अभ्यास का जायजा लिया। ऑपरेशन गांडीव-5 का उद्देश्य आतंकी हमले, विमान अपहरण और बंधक जैसी परिस्थितियों में कमांडो की रणनीति और तैयारियों को परखना है।

'बहनजी' कहने पर भड़कीं एसीपी प्रदर्शनकारी बोला–हम तो बहन ही कहेंगे



आगरा में यूजीसी नियमों के विरोध में रैली रोकने पर हुई बहस

यूनिक समय, लखनऊ। आगरा में यूजीसी के नए नियमों के विरोध में निकाली गई रैली के दौरान एसीपी अमीषा सिंह और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस हो गई। विवाद तब बढ़ गया, जब एक प्रदर्शनकारी ने बातचीत के दौरान एसीपी को 'बहनजी' कहकर संबोधित किया। इस पर अमीषा सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'मैं बहनजी नहीं हूं।' जवाब में प्रदर्शनकारी बोला, 'हम तो बहन ही कहेंगे, यही हमारी भारतीय संस्कृति है।' दोनों के बीच हुई बातचीत का वीडियो मंगलवार को सामने आया। जानकारी के मुताबिक, 15 नवंबर को परशुराम दल ने यूजीसी के नए नियमों के विरोध में रैली निकाली थी। पुलिस ने सदर क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में धारा 163 लागू होने के कारण रैली आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस पर कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि जीआईसी मैदान में समाजवादी पार्टी को दलित सम्मेलन की अनुमति कैसे दी गई। बहस के दौरान एसीपी ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे पुलिस के फैसले को अदालत में चुनौती दे सकते हैं। इसी बीच एक कार्यकर्ता ने उन्हें 'बहनजी' कहकर संबोधित किया, जिस पर विवाद हुआ। अमीषा सिंह मूल रूप से लखनऊ की रहने वाली हैं। उन्होंने यूपीपीएससी 2022 की परीक्षा में 18वीं रैंक हासिल कर डीएसपी पद प्राप्त किया था। आगरा में उनकी पहली तैनाती एसीपी के रूप में हुई। वह बाथरूम हत्याकांड के खुलासे के बाद भी चर्चा में आई थीं।

ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर बुजुर्ग से 12.45 लाख ठगे



फर्जी प्लेटफॉर्म पर दिखाते रहे मुनाफा और नुकसान

यूनिक समय, लखनऊ। नोएडा के ग्रेटर नोएडा स्थित एल्डिको गोल्फ व्यू अपार्टमेंट निवासी 72 वर्षीय पी. अनबलगन साइबर ठगी का शिकार हो गए। आरोपियों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर उनसे 12 लाख 45 हजार 870 रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित के मुताबिक, 17 अगस्त को टीवी पर निवेश से जुड़ा एक संदेश देखने के बाद उन्होंने दिए गए लिंक पर क्लिक कर मोबाइल नंबर और ई–मेल आईडी दर्ज की थी। इसके बाद एक्सवेल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के अकाउंट मैनेजर बनकर एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया। आरोपियों ने फर्जी डैशबोर्ड पर निवेश, बैलेंस और मुनाफे की जानकारी दिखाई। जब डैशबोर्ड पर नुकसान दिखाया जाता, तो आरोपी उसकी भरपाई के नाम पर और पैसे जमा करने को कहते थे। इस तरह पीड़ित से 50 बार में पेटीएम और यूपीआई के जरिए रकम ट्रांसफर कराई गई। पैसे वापस नहीं मिलने पर उन्हें ठगी का पता चला। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत की और 13 नवंबर को पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और यूपीआई लेनदेन की जांच शुरू कर दी है।

यूपी पंचायत चुनाव फिर टलने के आसार, प्रधान बनें रहेंगे प्रशासक

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव मई 2027 तक टलने के आसार हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में पंचायत राज संशोधन अध्यादेश को मंजूरी दे दी गई। इसके तहत नवंबर में ग्राम प्रधानों का मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें छह महीने के लिए प्रशासक नियुक्त किया जाएगा। यह व्यवस्था पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी। इसके लिए पंचायत राज अधिनियम की धारा 12 और धारा 3–क में संशोधन किया गया है। हालांकि पंचायत चुनाव का मामला अभी अदालत में लंबित है। हाईकोर्ट ने प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 14 जनवरी से पहले कराने के निर्देश दिए हैं। सरकार इस आदेश पर पुनर्विचार याचिका दाखिल करने या सुप्रीम कोर्ट में अपील करने पर विचार कर रही है। चुनाव में देरी की बड़ी वजह पिछड़ा वर्ग समर्पित आयोग की रिपोर्ट का इंतजार है। आरक्षण तय होने और चुनावी तैयारियां पूरी करने में समय लग सकता है। इसी को देखते हुए प्रशासकीय व्यवस्था बढ़ाई गई है। ओबीसी आयोग का कार्यकाल भी बढ़ाया गया है। कैबिनेट बैठक में कुल 31 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें 30 को मंजूरी मिली। इसके अलावा महिला अपराध पीड़ितों को एक से 15 लाख रुपये तक मुआवजा देने और नोएडा में आईआईटी कानपुर के डीप हब निर्माण के लिए 281 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। डीप हब का निर्माण 24 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है।

गुमशुदा की तलाश



नाम- देवेंद्र पाठक उर्फ लाला पिता- कुमर पाल पाठक उम्र व कद 28 वर्ष व 5 फुट 4 इंच रंग-गोरा कपडे-सर्ट, पेन्ट, पेरों मे चप्पल, एकहरा बदन । उक्त लड़का का नाम देवेंद्र पाठक है जो कि ग्राम नौहझील तहसील मांट जिला मथुरा का है। उक्त लड़का दिनांक 23-08-2026 को रात करीब 09 बजे से ग्राम नौहझील से लापता हुआ है, उक्त संबंध थाना नौहझील पर मु० अ० सं० 0307/2026 धारा 140 (3) पर दर्ज है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त लड़के के बारे मे पता चले तो पया निम्न पते व फोन नं० पर सूचित करने की कृपा करें। जिसके सम्बन्ध में थाना नौहझील में गुमशुदी दर्ज कराई गई है।

थाना प्रभारी नौहझील- अंजीश कुमार -9454403947 चौकी प्रभारी नौहझील- मेहर चंद सिंह 7905812145 निवेदक - अशोक कुमार, रिंकू पाठक 9997255572, 7900385541

आतंकी बोला-सरेंडर नहीं करूंगा, अल्लाह से मिलना है, एनकाउंटर में ढेर







मस्जिद में छिपा था सीआरपीएफ पोस्ट पर हमला करने वाला लश्कर कमांडर लतीफ भट, 15 लाख रुपए का था इनाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने बुधवार को लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर लतीफ भट को एनकाउंटर में मार गिराया। 22 साल का लतीफ देवसर इलाके के जांगलपोरा गांव में एक मस्जिद के अंदर छिपा हुआ था। मुठभेड़ से पहले सुरक्षाबलों ने उसे वीडियो कॉल के जरिए सरेंडर करने के लिए समझाने की कोशिश की। एक पुलिस अधिकारी ने उससे कहा कि वे उसके साथ हैं और उसकी जिंदगी अभी बाकी है।

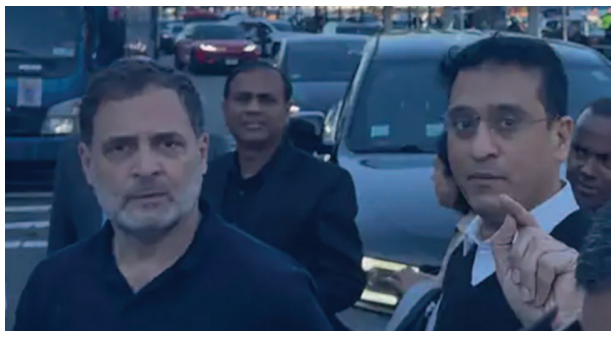
इस पर लतीफ ने जवाब दिया, 'मुझे अल्लाह से मुलाकात करना है। मैं बहुत खुश हूं, सरेंडर नहीं करूंगा।' सुरक्षाबलों के मुताबिक, लतीफ ने उमर निसार डार के साथ 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में सीआरपीएफ पोस्ट पर फायरिंग की थी। इस हमले में तीन जवान घायल हुए थे। 16 नवंबर को सुरक्षाबलों ने अखरान के लारू इलाके में दोनों आतंकियों को घेर लिया था।

मुठभेड़ में उमर मारा गया, जबकि लतीफ घायल होने के बावजूद भाग निकला। उसके पैर में गोली लगी थी। इसके बाद दो दिन तक तलाशी अभियान चलाया गया। आखिरकार उसकी लोकेशन जांगलपोरा की मस्जिद में मिली। लतीफ पर पुलिस ने 15 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। वह 2025 की शुरुआत में घर से लापता हुआ था। बाद में पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव सज्जाद गुल ने उसे लश्कर और उसके प्रॉक्सी संगठन टीआरएफ में भर्ती किया था। पिछले छह महीने में जम्मू-कश्मीर में लश्कर के चार कमांडर मारे जा चुके हैं। इनमें जाकिर अहमद गनई, यासिर और मूसा उर्फ आसिफ फौजी भी शामिल हैं।

आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा भारत, बेरोजगारी बड़ी चुनौती

कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों से बोले राहुल-युवाओं को अपना भविष्य नजर नहीं आ रहा

चुनावी प्रक्रिया और शिक्षा व्यवस्था पर भी उठाए सवाल



यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की खामियां इसकी प्रमुख वजह हैं। युवाओं में निराशा बढ़ रही है, क्योंकि उन्हें अपना भविष्य साफ नजर नहीं आ रहा। राहुल ने बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी के साथ बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। वे दो दिन के अमेरिकी दौरे पर हैं और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के बाद यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो भी जाएंगे। बातचीत में राहुल ने चुनावी प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान में हुए खर्च को लेकर सवाल किया और कहा कि इस पर अनुमान से 20, 30, 40 या 50 गुना तक ज्यादा पैसा खर्च हुआ। उन्होंने पूछा कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई। राहुल ने चुनावी नतीजों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि अचानक पांच लाख वोटों का अंतर आना संभव नहीं है। कांग्रेस के पास चुनावी धांधली से जुड़े कई सबूत हैं और पार्टी इन्हें सामने लाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष चुनाव जरूरी हैं और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए। राहुल ने युवाओं और उनके माता-पिता के बीच बढ़ती दूरी का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, आज के युवा पिछली पीढ़ी के अनुभवों और करियर संबंधी सलाह पर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि पुराने दौर में सफलता दिलाने वाले तरीके अब काम नहीं करते। यह राहुल गांधी का 12 साल में छठा अमेरिकी दौरा है।

पुतिन-जिनपिंग की 50वीं मुलाकात, ट्रम्प भी पहुंचेंगे चीन

शेनझेन में करीब दो घंटे चली बैठक में दोनों नेताओं ने दोस्ती और क्षेत्रीय स्थिरता पर दिया जोर



यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को चीन के शेनझेन में करीब दो घंटे तक मुलाकात की। पिछले 13 साल में दोनों नेताओं की यह 50वीं बैठक थी। जिनपिंग ने पुतिन को अपना पुराना दोस्त बताते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में रूस और चीन के रिश्ते दुनिया को स्थिरता और भरोसा दे रहे हैं। वहीं, पुतिन ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र की तरक्की और समृद्धि दोनों देशों का साझा लक्ष्य है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी एपेक समिट में शामिल होने के लिए चीन पहुंच रहे हैं। गुरुवार को उनकी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक प्रस्तावित है। इसमें व्यापार, टैरिफ, अमेरिकी सोयाबीन की खरीद और रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई जैसे मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। ट्रम्प और पुतिन की अलग बैठक की संभावना भी जताई जा रही है, जिसमें यूक्रेन युद्ध पर बातचीत हो सकती है। तीनों नेताओं की संभावित त्रिपक्षीय बैठक को लेकर भी चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एपेक समिट में 21 देशों की अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। भारत के लिए भी इन बैठकों के नतीजे अहम हो सकते हैं, क्योंकि वह रक्षा जरूरतों के लिए रूस और रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए चीन पर निर्भर है।

ट्रम्प की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी को 27 साल की जेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश रचने के मामले में पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट ने 48 वर्षीय आसिफ को आतंकवादी साजिश और सुपारी देकर हत्या कराने की कोशिश का दोषी पाया। अमेरिकी जांच के मुताबिक, वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के लिए काम कर रहा था। उसकी हिटलिस्ट में ट्रम्प के अलावा जो बाइडेन और निक्की हेली के नाम भी थे।

जांच एजेंसियों का कहना है कि साजिश के पीछे 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने की मंशा थी। आसिफ ने ईरान में कथित तौर पर खुफिया जानकारी जुटाने और गिरफ्तारी से बचने की ट्रेनिंग ली थी। अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचने के बाद उसने हत्या के लिए लोगों की तलाश शुरू की। उसने जिन लोगों को हत्यारा समझकर संपर्क किया, वे एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। आसिफ ने उन्हें 5 हजार डॉलर एडवांस भी दिए। उसे जुलाई 2026 में टेक्सास से गिरफ्तार किया गया था।

110 किमी की रफ्तार से आंध्र की ओर बढ़ा चक्रवात अकवान

20 नवंबर को तट से टकराने की आशंका

आंध्र-ओडिशा समेत 8 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट



यूनिक समय, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान अकवान लगातार ताकतवर हो रहा है। करीब 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यह आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, बुधवार सुबह तूफान विशाखापट्टनम से करीब 610 और चेन्नई से 580 किलोमीटर दूर था। इसके 20 नवंबर की दोपहर नेल्लोर और विशाखापट्टनम के बीच यनम तट के पास टकराने की आशंका है। उस समय हवा की रफ्तार 130 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तूफान के असर से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल, झारखंड और छत्तीसगढ़ में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आंध्र प्रदेश में 19 और 20 नवंबर को भारी से बेहद भारी बारिश का अनुमान है। यहां एनडीआरएफ की 13 और एसडीआरएफ की 11 टीमें तैनात की गई हैं। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने और किसानों को फसल सुरक्षित रखने की सलाह दी गई है।

ओडिशा के आठ जिलों में दो लाख से ज्यादा लोगों की पहचान की गई है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में भी तेज हवाओं और ऊंची समुद्री लहरों की चेतावनी है। तेलंगाना में 20 और 21 नवंबर को भारी बारिश हो सकती है। वहीं, पश्चिम बंगाल, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी कुछ इलाकों में बारिश का अनुमान है। इस बीच उत्तर भारत में ठंड बढ़ रही है। उत्तराखंड के गंगोत्री में तापमान माइनस 14 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि कश्मीर के गुलमर्ग में पारा माइनस 3.4 डिग्री दर्ज किया गया।

मोदी कैबिनेट की बैठक में परिसीमन बिल पर चर्चा संभव



सिर्फ कैबिनेट मंत्रियों को बुलाया गया

राज्य मंत्री और स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री नहीं होंगे शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिलीपींस दौरे से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह भारत मंडपम पहुंचे और केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सरकार के अब तक के कामकाज की समीक्षा के साथ परिसीमन बिल पर चर्चा होने की संभावना है। इसमें केवल कैबिनेट मंत्रियों को बुलाया गया है। राज्य मंत्री और स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री शामिल नहीं होंगे। इससे पहले पीएम मोदी अपने कार्यालय में राज्य मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक सितंबर में तीन दिवसीय 'चिंतन शिविर' के रूप में हुई थी। इस बार बैठक में विकसित भारत के मिशन पर भी फोकस रहने की उम्मीद है। परिसीमन से जुड़े विधेयकों में लोकसभा की अधिकतम सीटें 550 से बढ़ाकर 850 करने और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं दोबारा तय करने का प्रस्ताव है। अप्रैल 2026 में संसद के विशेष सत्र में पेश संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने से गिर गया था। अब प्रधानमंत्री के पास लोकसभा में करीब 319-320 और राज्यसभा में 154-155 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है। इसके बावजूद सरकार दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पीछे है।

50 मुर्गियों से खड़ा किया पांच हजार मुर्गियों का कारोबार

महिला सशक्तीकरण की मिसाल बनीं रीवा परवीन

मुर्गी पालन से चार महिलाओं को दिया रोजगार

मेहनत और आत्मविश्वास से बनाई अलग पहचान



मुर्गी पालन फार्म में पल रही मुर्गियों के साथ समूह से जुड़ी महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। छोटी शुरुआत भी मेहनत और लगन के दम पर बड़े कारोबार का रूप ले सकती है। मांट ब्लाक की ग्राम पंचायत मेहरा मांट के गांव सुल्तानपुर की रीवा परवीन ने इसे सच कर दिखाया है। करीब तीन साल पहले उन्होंने महज 50 मुर्गियों से मुर्गी पालन का काम शुरू किया था। आज उनके केंद्र पर करीब पांच हजार मुर्गियां हैं। खास बात यह है कि उनके इस कारोबार से चार अन्य महिलाओं को भी रोजगार मिल रहा है।

सना मुर्गी पालन महिला उद्योग की अध्यक्ष रीवा परवीन बताती हैं कि शुरुआत में उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। सीमित बजट के कारण कारोबार को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। मुर्गियों के लिए पानी की पर्याप्त व्यवस्था करना भी बड़ी चुनौती थी।

हालांकि, उन्होंने धीरे-धीरे समस्याओं का समाधान किया और अपने काम को आगे बढ़ाती रहीं।

अब उनका मुर्गी पालन केंद्र पहले के मुकाबले काफी बड़ा हो चुका है। इस काम से करीब 10 महिलाओं का समूह जुड़ा है, जिनमें चार महिलाओं को नियमित रोजगार मिल रहा है। मुर्गियों के दाने की व्यवस्था हाथरस और रायबरेली से की जाती है। रीवा परवीन का कहना है कि किसी भी काम को शुरू करने के लिए बड़ी पूंजी से ज्यादा मेहनत, धैर्य और आगे बढ़ने का विश्वास जरूरी है। 50 मुर्गियों से शुरू हुआ उनका सफर आज पांच हजार मुर्गियों तक पहुंच चुका है। उनका प्रयास दूसरी महिलाओं को भी स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रहा है।

रीवा का कहना है कि अगर सरकार और आर्थिक योगदान करे तो काम को और व्यापक बनाकर काफी महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। ब्लाक मिशन मैनेजर दीपक तिवारी का कहना है कि राज्य आजीविका मिशन से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं बचत के साथ उद्योग या कारोबार करके परिवार को मजबूती दे सकती हैं।

> “ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से तरक्की कर सकती हैं। जिले की काफी महिलाएं आज छोटे- छोटे काम करके परिवार को संवार रही हैं। रीवा परवीन का काम भी प्रशंसा के लायक है। **डा. पूजा गुप्ता, सीडीओ।**

रेलवे ग्राउण्ड में कल 500 से अधिक जोड़ों का सामूहिक विवाह

930 जोड़ों का लक्ष्य एक लाख रुपये की सहायता

समारोह में जनगणना 2027 के लिए भी होगी स्व-गणना



यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को रेलवे ग्राउण्ड में 500 से अधिक जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे। वित्तीय वर्ष 2026-27 में शासन ने जिले को 930 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य दिया है। इसके सापेक्ष पात्र पाए गए जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये की सहायता दी जाती है। इसमें 64 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में, 21 हजार रुपये वैवाहिक उपहार और 15 हजार रुपये आयोजन पर खर्च किए जाते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए वर की आयु 21 वर्ष और कन्या की आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये तक होनी चाहिए तथा कन्या के अभिभावक का जिले का निवासी होना जरूरी है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाणपत्र देना अनिवार्य है।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि जिले में पिछले तीन वित्तीय वर्षों में 1678 जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। वर्ष 2023-24 में 529, 2024-25 में 331 और 2025-26 में 818 जोड़े योजना से लाभान्वित हुए।

विवाह समारोह में होगी जनगणना की स्व-गणना

इस बार कार्यक्रम में नई पहल भी की जा रही है। जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्व-गणना अभियान से वर-वधू, उनके परिजनों और समारोह में मौजूद अन्य लोगों को भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए जनगणना से संबंधित अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे। जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण पत्र भेजकर समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया गया है।

बांके बिहारी की लाइव दर्शन स्क्रीन पर दूसरा वीडियो चलने से हड़कंप

ट्रस्ट प्रबंधक ने नगर आयुक्त को भेजा स्पष्टीकरण, तकनीकी त्रुटि बताकर जताया खेद

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के बनखंडी महादेव के पास लगी श्री बांके बिहारी के लाइव दर्शन वाली स्क्रीन पर अन्य वीडियो प्रदर्शित होने के मामले में श्री ठाकुर राधा सरोवर जी महाराज ट्रस्ट ने नगर निगम को स्पष्टीकरण दिया है। ट्रस्ट के प्रबंधक मनोज कुमार ने नगर आयुक्त को भेजे पत्र में घटना को तकनीकी त्रुटि बताया है। उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर श्रद्धालुओं को ठाकुरजी के लाइव दर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। प्रबंधक के अनुसार, स्क्रीन के नियमित ऑपरेटर के अवकाश पर होने के कारण एक 16 वर्षीय विद्यार्थी इसका संचालन कर रहा था। इसी दौरान तकनीकी गड़बड़ी से दर्शन के अतिरिक्त अन्य वीडियो कुछ समय के लिए प्रदर्शित हो गया।

ब्रजरज उत्सव फर्नीचर की स्टाल लगाने वाले ने महिला सिपाही को ठगा

पीड़ित महिला सिपाही ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव में फर्नीचर की स्टाल पर पसंद आया सामान खरीदने का सौदा महिला सिपाही को भारी पड़ गया। सहारनपुर के फर्नीचर कारोबारी ने ऑर्डर बुक करने के नाम पर 85 हजार रुपये तो ले लिए, लेकिन दो साल बीतने के बाद भी फर्नीचर की डिलीवरी नहीं की। महिला सिपाही जब भी रुपये वापस मांगती तो कारोबारी उसे टालता रहा। आखिरकार पीड़िता ने शहर कोतवाली में कारोबारी समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सीओ रेलवे कार्यालय आगरा में तैनात महिला सिपाही शबाना बानो ने बताया कि वर्ष 2024 में वह मथुरा एसपीओ कार्यालय में तैनात थीं। इसी दौरान रेलवे मैदान में जिला प्रशासन की ओर से ब्रजरज महोत्सव का आयोजन किया गया था। महोत्सव में सहारनपुर के फर्नीचर कारोबारी ने भी स्टाल लगाई थी। यहां शबाना को घर की सजावट के लिए कुछ फर्नीचर पसंद आया। स्टाल संचालक आसिफ और सोहेल ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सहारनपुर आने पर अच्छी गुणवत्ता का फर्नीचर उपलब्ध करा देंगे।

इसके बाद सात अगस्त 2024 को महिला सिपाही सहारनपुर पहुंचीं। वहां उन्होंने डबल बेड, ड्रेसिंग टेबल, डाइनिंग टेबल, छह कुर्सियां, सोफा सेट, सेंटर टेबल और साइड स्टूल पसंद किए। इनकी कीमत करीब एक लाख रुपये तय हुई। आरोप है कि कारोबारियों ने अलग-अलग बैंक खातों में उनसे 85 हजार रुपये जमा करा लिए।

काफी समय तक सामान नहीं पहुंचा तो महिला सिपाही ने संपर्क किया। आरोप है कि कारोबारी फर्नीचर भेजने का आश्वासन देकर टालते रहे। परेशान होकर उन्होंने 24 जुलाई 2025 को सहारनपुर पुलिस से शिकायत की। इसके बाद आरोपियों ने उनके खाते में केवल साढ़े चार हजार रुपये वापस किए। शेष रकम लौटाने का आश्वासन भी पूरा नहीं किया। अब बीते दिन16 नवंबर को शबाना बानो की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने सहारनपुर निवासी आसिफ, सोहेल और एक महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डग्गामार बसों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 17 के चालान, दो सीज

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तीसरे दिन बुधवार को परिवहन विभाग ने डग्गामार बसों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया। यमुना एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्गों, अंतरजनपदीय और अंतरराज्यीय सीमाओं पर हुई चेकिंग में 17 बसों के चालान किए गए, जबकि गंभीर अनियमितताओं पर दो बसों को सीज कर दिया गया। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले 13 चालकों के भी चालान किए गए।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश राजपूत के नेतृत्व में एआरटीओ प्रवर्तन सतेन्द्र कुमार सिंह और यात्रीकर अधिकारी संदीप चौधरी व पूजा सिंह ने विभिन्न मार्गों पर वाहनों की जांच की।

दूसरे राज्यों से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाली बसों को जीरो प्वाइंट पर रोककर परमिट, फिटनेस, बीमा और अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। अनधिकृत संचालन और वैध प्रपत्र नहीं मिलने पर दो बसों को संबंधित थानों और चौकियों की अभिरक्षा में दिया गया। एआरटीओ राजेश राजपूत ने बस संचालकों और वाहन स्वामियों से वैध परमिट, फिटनेस और अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ ही वाहन संचालित करने की अपील की।

फरह में 20 नवंबर को गूंजेंगी सामूहिक विवाह की शहनाइयां

यूनिक समय, फरह। कस्बा में पंचम सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन 20 नवंबर को किया जाएगा। जनकल्याण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में कई जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधकर नए जीवन की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम रामेश्वर मैरिज होम पर सुबह आठ बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम के अनुसार, सुबह आठ बजे गंगा धर्मशाला से रामेश्वर मैरिज होम तक बारात चढ़त होगी। सुबह 11 बजे बारात आगमन और स्वसचि भोज, दोपहर 12 बजे वरमाला तथा एक बजे फेरे होंगे। शाम चार बजे विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा।

युवा उत्सव में लोकगीत, नृत्य और कला का दिखा संगम

पांच विधाओं में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा कामिनी, अक्षरा लक्ष्मीनारायण और खुशी रहे अव्वल



युवा उत्सव में प्रमाण-पत्रों के साथ विजयी प्रतिभागी और अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज में बुधवार को युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से जनपद स्तरीय युवा उत्सव-2026 आयोजित किया गया। इसमें युवाओं ने पांच विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शुभारंभ सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा और कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन समिति की सदस्य श्वेता केसरी भी मौजूद रहीं।

युवा उत्सव में सामूहिक लोकगीत, सामूहिक लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, कविता लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिताएं हुईं। प्रतिभागियों ने लोकगीत और लोकनृत्य के माध्यम से सांस्कृतिक परंपराओं की झलक प्रस्तुत की, वहीं नुक्कड़ नाटक, कविता और चित्रकला के जरिए सामाजिक विचारों और रचनात्मकता को अभिव्यक्त किया।

निर्णायक मंडल के मूल्यांकन में सामूहिक लोकगीत में कामिनी शर्मा, लोकनृत्य में अक्षरा और उनकी टीम, नुक्कड़ नाटक में संस्कृति यूनिवर्सिटी छाता के विद्यार्थियों, कविता लेखन में लक्ष्मीनारायण और पेंटिंग में खुशी कश्यप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सांसद प्रतिनिधि, उप निदेशक युवा कल्याण विवेक चन्द्र श्रीवास्तव और प्राचार्य ने पुरस्कृत किया।

प्रतियोगिताओं में मनु, धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. आम्रपाली, अनिल सोनी, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. संध्या, डॉ. शालिनी, डॉ. दीन दयाल, डॉ. अनिरुद्ध अवस्थी, रोली तिवारी और तिलक सिंह कुंतल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम प्रभारी स्वाति पांडेय रहीं। आयोजन में रवि बाबू शर्मा, राहुल कुलश्रेष्ठ, नरेन्द्र सिंह, अर्जुन कंसाना और संस्कृति विभाग के अरुण रावल का सहयोग रहा।

ब्रज स्वच्छता-जन जागरूकता अभियान को लेकर प्रधानाचार्य, शिक्षक और चिकित्सकों का सम्मेलन 19 को

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से संचालित 'ब्रज वैभव अभियान' के अंतर्गत 19 नवंबर दोपहर तीन बजे डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें जनपद के समस्त प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, इंटर कालेज और डिग्री कालेजों के सभी शिक्षक, प्रधानाचार्य और सभी सरकारी व निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम के चिकित्सक और मेडिकल आफिसर प्रतिभाग करेंगे। यह सम्मेलन उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और डीएम के नेतृत्व में हार्टफुलनेस संस्थान के माध्यम से संचालित इस अभियान के तहत 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।